राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 222 पटना (बिहार) शुक्रवार,13 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

अहमदाबाद विमान हादसा, भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा:बाकी 241 यात्रियों की मौत

व्यूरो

अहमदाबाद :अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। प्लेन की सीट नंबर 11-अ पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले न्यूज एजेंसी अठक ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी थी कि एक अन्य व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थोड़े और समय पहले अढ ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या अक-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी।प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान उ्रअ टेस्ट के बाद ही संभव होगी। बोइंग का 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अपनी फ्यूल एफिशिएंसी और आरामदायक सफर के लिए जाना जाता है। हालांकि इसकी सेफ्टी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसमें खामियां सामने आने के बाद दुनियाभर में इसकी फ्लीट के उड़ान भरने पर 3 महीने के लिए रोक लगा दी गई थी। भास्कर एक्सप्लेनर में इस

विमान से जुड़ी 5 कंट्रोवर्सीज पढ़ि एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर अक-171 ने दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गई।जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया।टाटा ग्रुप ने मृतकों के परिजन को 1 करोड़ देगा टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा-केरल के कोझिकोड में 7 अगस्त 2020 को एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया था। इसमें 21 यात्रियों की मौत हुई थी, जबकि 110 लोग घायल हुए थे। इसमें कोरोना के दौरान वंदे भारत मिशन के तहत दुबई से भारतीयों को लाया जा रहा था। 1. देखिए अहमदाबाद प्लेन क्रैश PHOTOS में, सड़कों पर लाशें बिखरीं, शरीर जले-पहचानना मुश्किल गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया प्लेन क्रैश में 100 से ज्यादा यात्री मारे गए हैं। अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान में 242 यात्री सवार थे। हादसे के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। (पूरा हादसा देखने के लिए क्लिक करें) 2. अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से लेकर पहुंचे शव, अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी अहमदाबाद प्लेन क्रैश होने के बाद हादसे के शिकार लोगों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया जा रहा है। अस्पताल में स्ट्रेचर कम पड़े तो हाथ ठेले से शवों को ले जाया जा रहा है। अस्पताल में ओ निगेटिव ब्लड की कमी होने के बाद ब्लड डोनेशन की अपील की है। 3. अहमदाबाद में प्लेन डॉक्टर हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया:लंच के समय अतुल्य हॉस्टल में 50-60 इंटर्न डॉक्टर मौजूद थे, अब तक 6 शव मिले अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया था।

अहमदाबाद एयर इंडिया प्लेन क्रैश में गुजरात के पूर्व CM विजय रुपाणी का निधन, सीआर पाटिल ने दी श्रद्धांजलि

व्यूरो

अहमदाबादः गुजरात के लिए गुरुवार का दिन काफी मनहूस साबित हुआ। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एयरपोर्ट के पास ही क्रैश हो गई। इस हादसे में गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत 200 से अधिक लोगों की दुखद मौत हो गई। एयर इंडिया की ड्रीमलाइनर फ्लाइट में कुल 242 लोग मौजूद थे। इनमें 230 यात्री थी। इनमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी शामिल थे। प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले विजय रुपाणी गुजरात के दूसरे सीएम हैं। इससे पहले बलवंतराय मेहता की छह दशक पहले प्लेन क्रैश में मौत हुई थी। गुजरात बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने विजय रुपाणी की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा यह हादसा बहुत बड़ा है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। पाटिल ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात पहुंच रहे हैं। सरकार और संगठन दोनों संभाले :विजय रुपाणी गुजरात बीजेपी के इकलौते ऐसे नेता थे जिन्होंने राज्य में सरकार और संगठन दोनों की कमान संभाली। वह पहले प्रदेश अध्यक्ष बने और फिर जब राज्य में आनंदीबेन पटेल ने इस्तीफा दिया तो वह राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। वह 2016 से लेकर 2021 तक सीएम रहे। उन्हें संवेदनशील सीएम के तौर पर जाना गया। जब बीजेपी ने राज्य में नो रिपीट थ्योरी लागू की तो उन्होंने इस्तीफा दिया था। राज्यसभा के सदस्य विजय रुपाणी वर्तमान में बीजेपी के पंजाब राज्य प्रभारी थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार विजय रुपाणी अपनी बेटी से मिलने के लिए लंदन जा रहे थे। रुपाणी के निधन पर गुजरात में उनके करीबी लोगों और प्रशंसकों में शोक का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

मैं बच गया'झएयर इंडिया विमान क्रैश में जिंदा बचे अहमदाबाद के शख्स की आपबीती

व्यूरो

अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट अक171, जो कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर थी, 12 जून 2025 को टेकऑफ करते ही रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे। हादसे में अब तक 204 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। (हालांकि वनइंडिया हिंदी इसकी पुष्टि नहीं करता है) यह देश की सबसे भयावह विमान दुर्घटनाओं में से एक मानी जा रही है। इस हादसे में अब-तक एक शख्स के जिंदा बचने की खबर सामने आई है। "जाको राखे साइयां मार सके ना कोई" ये कहावत एयर इंडिया विमान में सवार यात्री 40 वर्षीय विश्वाश कुमार रमेश पर बिल्कुल सटीक बैठती है। अहमदाबाद के पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने जानकारी दी है कि सीट नंबर 11अ पर विश्वाश कुमार रमेश यात्रा कर रहे थे, जो जिंदा है और उनका इलाज चल रहा है। विश्वाश, जिनके सीने, आंखों और पैरों पर कई चोटें आई हैं लेकिन उनकी हालत अब स्थिर है। विश्वाश ने कहा, "मौत मेरे सिर के ऊपर से गुजर गई, मैं बच गया।" पहले ही भांप लिया था क्रैश हो सकता है एयर इंडिया विमान! विश्वाश एक ब्रिटिश नागरिक हैं और कुछ दिनों के लिए अपने परिवार से मिलने भारत आए थे और अपने भाई अजय कुमार रमेश (45) के साथ वापस यूके जा रहे थे। सोशल मीडिया पर विश्वाश और उनका बोर्डिंग पास वायरल हो रहा है। अस्पताल के बिस्तर पर लेटे विश्वास ने बताया कि कैसे कुछ ही सेकंड में जिंदगी और मौत के बीच की दूरी महसूस हुई। उसका कहना है कि यह एक चमत्कार है कि वह अब भी जिंदा है। Powered By SKIP एयर इंडिया विमान क्रैश में जिंदा बचे शख्स ने बताया कैसे हुआ हादसा? हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए विश्वाश ने कहा, "विमान के टेक ऑफ होते ही 30 सेकेंड के भीतर तेज आवाज हुई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो

बिहार में मुखिया का पावर बढ़ा, नीतीश सरकार ने मासिक भत्ते को भी डेढ़ गुणा बढ़ाया

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नाराज मुखिया को खुश करने के लिए पावर बढ़ा दिया है. अब मनरेगा योजना की 10 लाख तक की राशि की स्वीकृति मुखिया दे सकेंगे. साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों का मासिक भत्ता भी बढ़ा दिया गया है. मुख्यमंत्री सचिवालय संवाद में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सीएम ने पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधियों को खुश करने की कोशिश की है. पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को लुभाने की कोशिशः नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय संवाद में पंचायती राज व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद् के प्रतिनिधियों के शिष्टमंडल के साथ बैठक में छह महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं. इसके तहत ग्राम पंचायतों के मुखिया को मनरेगा योजना में अब तक 5 लाख रुपये तक की योजनाओं की

प्रशासनिक स्वीकृति की शक्ति प्राप्त है. इस सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक कर दिया गया. मासिक भत्ते में भी इजाफाः पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तर के प्रतिनिधियों के मासिक भत्ता को डेढ़ गुणा बढ़ाने का फैसला लिया गया. जिला परिषद अध्यक्ष को 12000 रुपये मासिक भत्ता मिलता है, जो बढ़कर 18000 रुपये हो जाएगा. वहीं जिला परिषद उपाध्यक्ष को 10000 मासिक भत्ता मिलता है, जो अब 15000 हो जाएगा. पंचायत समिति प्रमुख को 10000 मिलता है, जो बढ़कर 15000 हो जाएगा. पंचायत समिति प्रमुख को 5000 मिलता है, जो अब 7500 हो जाएगा.डेढ़ गुणे तक बढ़ोत्तरीः ग्राम पंचायत मुखिया को 2500 मिलता है, जो बढ़कर 3750 हो जाएगा. ग्राम पंचायत उप मुखिया को 1200 मिलता है, जो बढ़कर अब 18 सो रुपये हो जाएगा. ग्राम कचहरी सरपंच को 2500 मिलता है, जो अब 3750 हो जाएगा. ग्राम कचहरी उप सरपंच को 1200 मिलता है, जो बढ़कर 18 सो रुपये हो जाएगा. जिला परिषद सदस्य को 2500 मिलता है, जो बढ़कर अब 3750 हो जाएगा. पंचायत समिति सदस्य को 1000 रुपए मिलता है, जो बढ़कर डेढ़ हजार रुपये हो जाएगा. ग्राम पंचायत सदस्य को 500 मिलता है, जो बढ़कर 750 हो जाएगा. वहीं ग्राम कचहरी सदस्य पंच को 500 मिलता है, जो बढ़कर 750 हो जाएगा. नए पंचायत भवनों को मंजूरीः राज्य के सभी ग्राम पंचायतों में इस वर्ष होनेवाले चुनाव से पूर्व पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो जाये. इसके लिए राज्य सरकार के द्वारा शेष बचे 1069 नए पंचायत सरकार भवनों की भी स्वीकृति दे दी गयी है. इन स्वीकृत पंचायत सरकार भवनों के निर्माण का जिम्मा ग्राम पंचायत को देने का फैसला लिया गया है. इसके लिए जमीन यदि मुख्यालय वाले गांव में नहीं है तो पास वाले गांव में भी जमीन ली जा सकती है. ये सुविधाएं भी मिलेंगीः पंचायत प्रतिनिधियों के शस्त्र अनुज्ञप्ति के आवेदन को जिला पदाधिकारी निर्धारित समय सीमा के अंदर नियमानुसार निष्पादित करने की कार्रवाई करेंगे. पंचायत प्रतिनिधियों को पहले केवल आकस्मिक मृत्यु होने पर ही 5 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान की राशि दी जाती थी,

हवाई हादसे ने कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री छीने, संजय गांधी से विजय रूपाणी तक

व्यूरो

गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार 12 मई 2025 को हुए विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन हो गया. यह पहला मौका नहीं है, जब किसी राजनेता की विमान हादसे में मौत हुई है. आजादी के बाद हमने कई नेताओं को विमान हादसे में गंवाया है. इसमें मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री तक शामिल हैं. संजय गांधी की भी एक विमान दुर्घटना में ही मौत हुई थी. विमान हादसे में भारत ने 2 मुख्यमंत्रियों वाईएस राजशेखर रेड्डी और दोरजी खांडू को खोया है. विजय रूपाणी गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और उनका निधन भी विमान हादसे में हुआ है. अब तक कितने नेताओं को हवाई हादसों ने हमसे छीना है,

संजय गांधी. :पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुपुत्र और कांग्रेस के कद्दावर नेता संजय गांधी का 23 जून 1980 को एक विमान हादसे में निधन हो गया. दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान को संजय गांधी खुद उड़ा रहे थे. वाईएस राजशेखर रेड्डी. :आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हुआ था. तारीख थी 3 सितंबर 2009. वाईएसआर का हेलीकॉप्टर उस वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जब वह चित्तूर जिले के किसी गांव के दौरे पर जा रहे थे. दोरजी खांडू. :अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दोरजी खांडू का 30 अप्रैल 2011 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया. उनका हेलीकॉप्टर घने जंगल में दुर्घटनाग्रस्त

हुआ. हेलीकॉप्टर ने तवांग से ईटानगर के लिए उड़ान भरी थी. करीब 20 मिनट के बाद सेला पास के निकट हेलीकॉप्टर दुर्घटाग्रस्त हो गया. यह हादसा समुद्र तल से 13,000 फीट की ऊंचाई पर हुआ था. हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेंद्र सिंह :हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेंद्र सिंह की भी हवाई यात्रा के दौरान मौत हो गयी थी. वर्ष 1995 में उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था. माधवराव सिंधिया. :तेज-तर्रार कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया को भी एक विमान हादसे ने हमसे छीन लिया था. 30 सितंबर 2001 को उत्तर प्रदेश के कानपुर जाते समय उनका सेसना एयरक्राफ्ट क्रैश कर गया. इसमें कई पत्रकारों की भी मौत हो गयी थी. उड़ान भरने के बाद पायलट का दिल्ली एटीसी से संपर्क टूट गया और लखनऊ एटीसी से संपर्क नहीं हो पाया. जीएमसी बालयोगी. :तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता और लोकसभा के अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी

निजीकरण के बाद खराब होती छवि, अब अहमदाबाद हादसा; एअर इंडिया के लिए आगे की राह कितनी मुश्किल

व्यूरो

नई दिल्ली :देश की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित एयरलाइनों में से एक एअर इंडिया की ओर से संचालित बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार को अहमदाबाद में हादसे का शिकार हो गया। विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था, जो उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान पर चालक दल के सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में किसी के बचने की उम्मीद काफी कम है। निजीकरण के बाद सुविधाओं के मामले में अपनी खराब होती छवि के बीच अहमदाबाद विमान हादसा एअर इंडिया के लिए एक बड़े झटके की तरह है। सरकारी टैग हटने के बाद अब तक विमानन कंपनी की साख फिर से बहाल करने के लिए टाटा समूह की ओर से क्या-क्या किया गया है? अहमदाबाद हादसे के क्या मायने हैं? आइए विस्तार से जानते हैं। 1932 में स्थापित एयरलाइन के लिए विमान हादसा बड़ा झटका क्यों? :एअर इंडिया की शुरूआत 1932 में उद्यमी जेआरडी टाटा ने की थी। 1953 में भारत सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया था। सरकार के अधीन, वर्षों के कुप्रबंधन और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण एयरलाइन पर कर्ज का बोझ बढ़ता गया। उसके बाद टाटा समूह ने 2022 में 2.2 बिलियन डॉलर के सौदे में एयरलाइन का संचालन अपने हाथ में ले लिया। उसके बाद से एयरलाइन को वापस ऊंचाइयों की पर पहुंचाने की कोशिश हो रही है। लेकिन, एअरलाइन की सेवाओं पर सवाल उठने से समय-समय पर उसकी छवि खराब होती रही है। खुद केंद्रीय मंत्री विमान में मौजूद सुविधाओं पर सवाल उठा चुके हैं। इस बीच, अहमदाबाद में हुआ यह हादसा विमानन कंपनी के लिए एक बड़े झटके की तरह है। यहां से आगे की राह विमानन कंपनी के लिए बहुत कठिनाई भरी हो सकती है। कितना बड़ा है एअर इंडिया का बेड़ा, कितनी उड़ानें? :एअर इंडिया वर्तमान में 43 घरेलू और 41

अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है। मई महीने तक के आंकड़ों के अनुसार, यह 191 विमानों का संचालन करती है। इसके बेड़े में एयरबस और बोइंग दोनों विमान निमार्ता कंपनियों के संकीर्ण (नैरो) और चौड़ी (वाइड) बॉडी मॉडल शामिल हैं। वर्तमान में यह देश की एकमात्र एयरलाइन है जो ऑस्ट्रेलिया से लेकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक लंबी दूरी के गंतव्यों तक सीधी उड़ान भरती है। इसकी कम लागत वाली इकाई, एयर इंडिया एक्सप्रेस, भारत और विदेश में 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरती है, जिसका मुख्य ध्यान मध्य पूर्व के देशों पर है। एअर इंडिया के विलय की क्या कहानी है? :टाटा समूह ने नवंबर में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को अपने उस समय के मौजूदा एयरलाइन्स विस्तारा और अक कनेक्ट के साथ विलय कर दिया। इसके बाद यह इंडिगो के बाद भारत का सबसे बड़ा एयरलाइन समूह बन गया। एयर इंडिया का विस्तारा के साथ भी विलय हो चुका है। एयर इंडिया एक्सप्रेस का अक कनेक्ट के साथ विलय हुआ है। इन एयरलाइनों के पास भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 30% हिस्सा है। सिंगापुर एयरलाइंस, जिसने टाटा के साथ मिलकर पूर्ण-सेवा वाली एयरलाइन विस्तारा शुरू की थी, संयुक्त एयर इंडिया समूह में 25% की मालिक है। एअर इंडिया ने कितने विमानों के ऑर्डर दे रखे हैं? :एयर इंडिया ने फरवरी 2023 में एयरबस और बोइंग से संयुक्त रूप से 470 जेट विमानों का विश्व का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया था। पिछले वर्ष दिसंबर में एयरबस से 100 जेट विमानों का ऑर्डर मिला था। रॉयटर्स ने जून की शुरूआत में बताया था कि एयर इंडिया, एयरबस और बोइंग के साथ एक बड़े नए विमान सौदे के लिए बातचीत कर रही है। यह बातचीत 200 अतिरिक्त सिंगल-आइल विमान खरीदने से जुड़ी है। निजीकरण के बाद एअर इंडिया में क्या-क्या हुआ? :एअर इंडिया के निजीकरण के बाद टाटा समूह की पहल पर 2023 के मध्य में विमानन कंपनी के नए लोगो, ब्रांडिंग और चालक दल के लिए विमान पोशाक का अनावरण किया गया। एअरलाइन ने अपने विमान के अंदरूनी हिस्सों के लिए 40 करोड़ डॉलर की लागत से नवीनीकरण और रेट्रोफिटिंग योजना भी शुरू की है। हालांकि, यह परियोजना आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी दिक्कतों के कारण अटकी हुई है। एअरलाइन ने अपने अधिकांश सिंगल आइल एयरबस ए320 नियो विमानों को रेट्रोफिट किया है और अपने लंबी दूरी के बोइंग 777 और 787 जेट को अपडेट करने पर काम कर रहा है। अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा विमानन कंपनी को फिर से सुधारने की टाटा समूह की कोशिशों को फिर से बेपटरी कर सकता है। इस हादसे के बाद एयरलाइन की साख बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस हादसे के बाद विमानन कंपनी की ओर से किए जा रहे सुधार कार्यों के समय पर पूरा होने की राह में अड़चनें आ सकती हैं। एअर इंडिया विमान हादसे के बाद अब तक क्या अपडेट हैं? :अहमदाबाद हवाई अड्डे के करीब गुरुवार को हुए

किशोर कुणाल के बेटे बने धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

पटनाः बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की गठन की। भाजपा नेता रणवीर नंदन को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद का अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा इसके 10 सदस्यों को भी नामित किया गया। इसमें एक नाम सायण कुणाल का भी है। सायण कुणाल, किशोर कुणाल के बेटे हैं, जो लंबे समय तक धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष रहे। सायण की शादी बिहार के मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी से हुई है। शांभवी, फिलहाल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से समस्तीपुर की सांसद हैं। ये महज संयोग हो सकता है कि पटना में किशोर कुणाल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण सीएम नीतीश कुमार ने किया और गुरुवार को ही सायण कुणाल की सत्ता में एंट्री हुई। धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष बने रणवीर नंदन :बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद विधि मंत्रालय के तहत काम करता है। इस पर राज्य के मंदिरों के बेहतर तरीके से संचालन की जिम्मेवारी होती है। बिहार के मंदिरों का ठीक तरह से संचालन जिम्मा धार्मिक न्यास पर्षद के पास होता है। ताकि मंदिरों की देखरेख सही तरीके से की जा सके। अब बिहार सरकार ने पूर्व विधान पार्षद और भारतीय जनता पार्टी के नेता रणबीर नंदन को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। विधि विभाग की ओर से इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। किशोर कुणाल के बेटे सायण बने सदस्य :नए-नए बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष बने रणवीर नंदन पहले बिहार विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अन्य सदस्यों में:-

गजब की खुदगर्जी पर उतरा अमेरिका आतंकवाद पर देगा पाकिस्तान का साथ

> आतंकवाद पर अमेरिका और दुनिया के कुछ और ताकतवर देशों का दोहरा चरित्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उजागर हो चुका है। पाकिस्तान ने जून की शुरुआत में सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण सहायक निकायों में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल की है। यह उपलब्धि उसे ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिली है। पाकिस्तान अब 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति (ळरउ) का चेयर, 1373 आतंकवाद-निरोधक समिति (उळउ) का वाइस-चेयर और यूएनएससी के दो अनौपचारिक कार्य समूहों में को-चेयर है। अमेरिका को ही नहीं, पूरी दुनिया को पता है कि विश्व का अबतक का सबसे खौफनाक माना जाने वाला अल कायदा का आतंकी ओसामा बिन लादेन 26/11 के बाद पाकिस्तानी सेना की देखरेख में उसी की धरती पर आराम फरमा रहा था और अमेरिका ने उसे ठिकाने लगाया था। लेकिन, आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को आतंकवाद रोकने के लिए बनी समिति का उपाध्यक्ष बना दिया गया और अमेरिका और उसके सहयोगियों ने शुतुरमुर्ग की तरह अपना मुंह छिपाए रखा।

अंजन कुमार

नई दिल्ली : 26/11 की घटना के बाद दुनिया में यह माहौल बना था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका सबसे आगे रहेगा। लेकिन, पिछले कुछ समय में ऐसी कई चीजें देखने को मिली हैं, जिससे साफ हो चुका है कि दुनिया का सुपरपावर समझने वाला अमेरिका आतंकवाद के मामले में भी निहित स्वार्थ में डूबा हुआ है। उसे सिर्फ उन आतंकियों से दुश्मनी है, जिससे उसके अपने हित प्रभावित हो रहे हैं। बाकी आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति के तौर पर चलाने वाला पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो, अमेरिका उनके साथ खड़ा रहेगा। ऐसे में पहलगाम हमले के बाद दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने वाले भारत की लड़ाई को नए सिरे से लड़ने की जरूरत आ खड़ी हुई है।

आतंकवाद पर पाकिस्तान अमेरिका का 'वैल्यूएबल पार्टनर' : आतंकवाद के मसले पर अमेरिका की दोहरी नीति की सबसे बड़ी पोल उसके सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिला के एक बयान से खुली है। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान को एक 'वैल्यूएबल पार्टनर' बताया है। यहां तक कि उन्होंने आतंकी संगठनों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। अमेरिकी सीनेट कमेटी के सामने जनरल कुरिला ने कहा कि आईएसआईएस-के (क्रक्र-ड) पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर के आदिवासी इलाकों में एक्टिव है। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान की भूमिका और भी अहम हो जाएगी। उन्हें इस बात की खुशी है कि पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्ला को गिरफ्तार और प्रत्यर्पित किया। शरीफुल्ला आईएसआईएस-के का प्लानर था। उसने 26 अगस्त 2021 को एब्बे गेट पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 160 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें फोन किया था और अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी और अमेरिकी राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए भी कहा था। वे पिछले कुछ महीनों में जनरल मुनीर से कई बार मिल चुके हैं।

आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अमेरिका से उम्मीद बेमानी : अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर अपनी तालमेल का महिमामंडन कर रहे हैं, जब पहलगाम आतंकी हमले में जनरल असीम मुनीर की भूमिका का पर्दाफाश हो चुका है। पाकिस्तानी सेना के इसी चीफ के भड़काऊ बयान के हफ्ते भर बाद ही पहलगाम की बैसरन घाटी को पाकिस्तानी आतंकियों ने 25 भारतीय और एक विदेशी नागरिक का धर्म पूछकर उनके खून से लाल कर दिया। मतलब, माइकल कुरिला ने जो कुछ कहा है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो रवैया दिखाया है, उससे कम से कम आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका से कोई उम्मीद करना बेमानी है।

आतंकी देश को बनाया आतंकवाद-विरोधी समिति का वाइस-चेयर : आतंकवाद पर अमेरिका और दुनिया के कुछ और ताकतवर देशों का दोहरा चरित्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी उजागर हो चुका है। पाकिस्तान ने जून की शुरुआत में सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण सहायक निकायों में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल की है। यह उपलब्धि उसे ऑपरेशन सिंदूर के लगभग एक महीने बाद मिली है। पाकिस्तान अब 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति (ळरउ) का चेयर, 1373 आतंकवाद-निरोधक समिति (उळउ) का वाइस-चेयर और यूएनएससी के दो अनौपचारिक कार्य समूहों में को-चेयर है। अमेरिका को ही नहीं, पूरी दुनिया को पता है कि विश्व का अबतक का सबसे खौफनाक माना जाने वाला अल कायदा का आतंकी ओसामा बिन लादेन 26/11 के बाद पाकिस्तानी सेना की देखरेख में उसी की धरती पर आराम फरमा रहा था और अमेरिका ने उसे ठिकाने लगाया था। लेकिन, आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को आतंकवाद रोकने के लिए बनी समिति का उपाध्यक्ष बना दिया गया और अमेरिका और उसके सहयोगियों ने शुतुरमुर्ग की तरह अपना मुंह छिपाए रखा।

अमेरिका-पाकिस्तान नापाक रिश्ते के खुलासे के बाद क्या करे भारतःइन परिस्थितियों में भारत के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि वह आतंकवाद के खिलाफ क्या करे। इसको लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (ठॅ) के एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है कि सभी देशों के साथ मिलकर काम किया जाए। उन्होंने टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और जागरूकता पर भी जोर दिया है। लेकिन, जिस तरह से अमेरिका की पोल खुली है, उसके बाद उपाय यही है कि उन देशों को साथ जोड़ने पर ज्यादा जोर देना होगा, जो वाकई आतंकवाद को मानवता का दुश्मन मानते हैं। क्योंकि,इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल तक ही दुनिया में 66 देश आतंकवाद से प्रभावित थे। उनमें से सभी अमेरिका की तरह नहीं हो सकते और भारत को उनके साथ मिलकर बातचीत करनी होगी। पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव ने इसके लिए टी20 नाम का एक संगठन बनाने का भी सुझाव दिया है और भारत को ग्वोबल साउथ के देशों पर इस समस्या के लिए फोकस करने को कहा है।

पीएम की कनाडा यात्रा से पहले बड़ी कार्रवाई खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़

दीपक कुमार शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा जाने वाले हैं। इससे पहले, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की सरकार ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल खालिस्तानियों को पकड़ने के लिए 'प्रोजेक्ट पेलिकन' नाम का एक अभियान चलाया है, जिसके तहत कनाडा की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खालिस्तान समर्थक ड्रग और आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। कनाडा की पुलिस ने प्रोजेक्ट पेलिकन के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत पुलिस ने 479 किलो कोकीन जब्त की है। इसकी कीमत करीब 47.9 मिलियन डॉलर है। इसके साथ ही पुलिस ने कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सात लोगों सहित कुल नौ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सजगित योगेंद्रराजा (31), मनप्रीत सिंह (44), फिलिप टेप (39), अरविंदर पोवार (29), करमजीत सिंह (36), गुरतेज सिंह (36), सरताज सिंह (27), शिव ओंकार सिंह (31) और हाओ टॉमी हुइन्ह (27) शामिल हैं।

भारत विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल करते थे ड्रग्स का पैसा : पुलिस के अनुसार, यह गिरोह अमेरिका और कनाडा के बीच वाणिज्यिक ट्रकों से ड्रग्स भेजता था। समूह के मेक्सिको ड्रग कार्टेल और अमेरिका में ड्रग वितरकों से संबंध थे। सूत्रों के अनुसार, ड्रग्स बेचकर जो पैसा मिलता था, उसका इस्तेमाल भारत विरोधी गतविधियों जैसे- विरोध प्रदर्शन, जनमत संग्रह, हथियारों की खरीद आदि में किया जाता था। खुफिया एजेंसियों को शक है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक्रइस ड्रग नेटवर्क का समर्थन कर रही है, जो कनाडा में खालिस्तानी समूहों का इस्तेमाल मेक्सिकन कोकीन और अफगान हेरोइन की तस्करी के लिए कर रही है। कनाडा के कनानास्किस में जी7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। कार्नी ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी को फोन कर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया था। खालिस्तान समर्थक ड्रग नेटवर्क पर यह कार्रवाई पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से ठीक पहले की गई है।

पीएम मोदी ने कार्नी को दी थी जीत की बधाई: जी7 शिखर सम्मेलन का निमंत्रण मिलने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को उनकी हालिया चुनावी जीत की बधाई दी थी। साथ ही शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और कनाडा मजबूत संबंधों वाले जीवंत लोकतंत्र हैं। दोनों देश नई ऊर्जा और साझा लक्ष्यों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में कार्नी से मुलाकात करने के लिए उत्सुक हैं।

15 से 17 जून तक आयोजित होगा जी7 शिखर सम्मेलन : जी7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में 15 से 17 जून तक आयोजित होगा। इससे पहले, पीएम कार्नी ने ओटावा में बोलते हुए कहा कि शिखर सम्मेलन उभरते और विकासशील देशों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अहम हिस्सा है, इसलिए भारत को इस सम्मेलन में शामिल होना चाहिए

सिंचाई इंजीनियर की आलीशान जिंदगी का पर्दाफाश! थाईलैंड में डेस्टिनेशन वेडिंग

ब्यूरो

हैदराबाद : तेलंगाना एंटी करप्शन ब्यूरो ने सिंचाई विभाग के कार्यकारी इंजीनियर एन श्रीधर से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की. एसीबी ने रेड के दौरान विला, फ्लैट, होटलों में कारोबारी हिस्सेदारी और श्रीधर के बेटे के लिए थाईलैंड में डेस्टिनेशन वेडिंग सहित कई अवैध संपत्तियों का पता लगाया. श्रीधर वर्तमान में चोप्पाडांडी में एसएसआरएसपी कैंप में सिंचाई विभाग के सीएडी डिवीजन 8 में तैनात हैं. उनसे एसीबी के अधिकारी उनकी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में पूछताछ कर रहे हैं. उन्होंने पहले हाई-प्रोफाइल कालेश्वरम परियोजना में काम किया था, जो अब बड़े पैमाने पर वित्तीय हेराफेरी के लिए जांच के दायरे में है. श्रीधर के पास आलिशान फ्लैट, विला...शुरुआती जांच में पता चला है कि श्रीधर के पास संपत्तियों का पता चला. श्रीधर के पास मलकपेट में चार मंजिला इमारत है. इतना ही नहीं शेखपेट में प्रीमियम गेटेड कम्युनिटी स्काई हाई में 4500 वर्ग फीट का फ्लैट का भी पता चला है.एसीबी की जांच के मुताबिक, श्रीधर के पास तेलपुर के उर्जित गेटेड एन्क्लेव में एक आलीशान विला, वारंगल में एक` Plus 3 बिल्डिंग, करीमनगर में कई होटलों में कारोबारी हिस्सेदारी है. इतना ही नहीं उसने थाईलैंड में अपने बेटे की डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों खर्च किए. करोड़ों की अवैध संपत्ति :एसीबी अधिकारियों ने बताया कि श्रीधर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है. संभावित बेनामी होल्डिंग्स और सिंचाई अनुबंधों में भ्रष्टाचार के लिए वित्तीय दस्तावेजों, संपत्ति के कागजात और लेन-देन के रिकॉर्ड की जांच की जा रही है

रोहतास में सच हो गई फिल्मी कहानी! टॉयलेट नहीं तो ससुराल नहीं!

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

रोहतास : आपको साल 2017 में आई फिल्म 'टॉयलेट एक प्रेमकथा' तो याद ही होगी जिसमें विवाहिता ने ससुराल इसलिए छोड़ दिया था क्योंकि वहां शौचालय नहीं था. हालांकि वो तो फिल्मी दुनिया थी, लेकिन बिहार के रोहतास से एक ऐसा ही मामला सामने आया है. जहां शादी के सात साल बाद आपसी विवाद में ससुराल में शौचालय के कारण पत्नी ने मायके लौटने का फैसला कर लिया.

रोहतास में शौचालय पर रारः दअरसल, यह पूरा मामला डालमियानगर थाना क्षेत्र का है. जहां जिले के रोहतास की रहने वाली एक महिला की 7 साल पहले डालमियानगर के रहने वाले एक युवक से शादी हुई थी. शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक था, लेकिन बाद में पति व ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया.

शौचालय के उपयोग पर पाबंदीः पीड़ित महिला ने बताया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने मामूली पारिवारिक विवाद पर शौचालय के उपयोग पर पाबंदी लगा दी. मारपीट भी की जाती थी. वही पति को शराब की लत थी. ऐसे में परेशान होकर महिला अपने मायके जाना पड़ा. इस बीच सुलह समझौते के कई प्रयास हुए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिला.

मानवाधिकार ने कराया सुलहः पीड़ित ने भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन की पटना प्रमंडल की अध्यक्षा से संपर्क किया और आवेदन दिया. मानवाधिकार ने मामले में संज्ञान लिया. जिसमें तीन सदस्यीय टीम बनाई गई. जिसमें खुद अध्यक्ष रत्ना सिन्हा, मनीषा श्रीवास्तव व डॉ पाठक ने दोनों पक्षों में सुलह कराया गया और अंततः महिला को फिर से उसके ससुराल भेज दिया गया है. "ससुराल में हमेशा प्रताड़ना किया जाता था. शौच पर पाबंदी थी. पति को शराब की लत थी. हमेशा मारपीट व ससुराल वालों से परेशान हो कर मायका आ गई थी. अब सुलह हो गया है. पति ने भी वादा किया है बेटी और हमे कोई परेशानी नहीं होने देंगे. पति के साथ ही वापस अपने ससुराल जा रही हूं एक साल से महिला मायके में रह रही थीः पीड़ित महिला की एक 5 वर्षीय पुत्री है. महिला पिछले 1 साल से अपने मायके में ही रह रही थी, लेकिन अब सुलह समझौता हो जाने के बाद महिला अपने ससुराल लौट गई. बता दें कि पीड़ित लड़की के पिता होमगार्ड से रिटायर हैं. "होमगार्ड से रिटायर होने के बाद बेटी को लेकर पिछले एक साल से परेशान थी. बेटी ससुराल छोड़कर मायका में रहे यह एक पिता के लिए इससे बड़ा दुःख क्या हो सकता है. मानवाधिकार के लोगों ने मेरी बेटी को नया जीवन दिया है. इनके सार्थक प्रयास से आज बेटी पुनः अपने ससुराल लौट रही है.

दोनों परिवारों में संस्था ने कराई सुलहः बता दें कि मानवाधिकार एसोसिएशन नामक संस्था के पटना प्रमंडल के अधिकारी रत्ना सिंह के प्रयास से दोनों परिवारों के बीच आज सुलह कराया गया जिसके बाद अंततः लड़का पक्ष भी महिला को ससुराल ले जाने पर राजी हुआ. जिसके बाद टीम के लोगों ने महिला की विदाई की."महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे है मानवाधिकार असोसिएशन को पीड़िता की शिकायत मिली थी.दोनों पक्षों से बात करके सुलह करा दिया गया है. महिला का पति वापस अपने घर ले जा रहा है. हमारा व हमारी टीम का सार्थक प्रयास है कि महिला की किस्मत बदल गई. घर उजड़ने से पहले बस गया अब दोनों खुशहाल हैं।

प. बंगाल में बार-बार हिंसा क्यों, माहेशतला में सांप्रदायिक तनाव

ब्यूरो

पश्चिम बंगाल के माहेशतला में एक दुकान निर्माण विवाद को लेकर हिंसक झड़पें हुईं। वहां तनाव बना हुआ है। सवाल ये है कि बंगाल में बार-बार साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं क्यों हो रही हैं।पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के माहेशतला में एक दुकान के निर्माण को लेकर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई सरकारी वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। रबिंद्रनगर-अकरा क्षेत्र में हुए इस उपद्रव के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया, साथ ही 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बाद अब माहेशतला भी अराजक तत्वों के निशाने पर है। इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि विवाद तब शुरू हुआ जब एक मुस्लिम व्यापारी, जो ईद मनाने के लिए बाहर गया था, की दुकान की जगह पर रातों-रात एक 'तुलसी मंच' का निर्माण कर दिया गया। इसके जवाब में, कुछ लोगों ने पास के एक शिव मंदिर के पास दुकानें बनाने की कोशिश की, जिसे स्थानीय हिंदू समुदाय ने अवैध अतिक्रमण करार दिया। इसने दोनों समुदायों के बीच तनाव को जन्म दिया, जो जल्द ही हिंसक प्रदर्शनों, पथराव और आगजनी में बदल गया। भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें एक महिला कांस्टेबल को सिर में चोट लगी, और डीसी (पोर्ट) हरिकृष्ण पाई का आधिकारिक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक मोटरसाइकिल को रबिंद्रनगर पुलिस स्टेशन के सामने आग के हवाले कर दिया गया।

मोदी क्यों नहीं बुला सकते संसद का विशेष सत्र? :स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (फ्छा) और भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा और एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने मौके पर कैंप किया। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और छापेमारी जारी रखी, जिसके बाद कुल 12 लोग हिरासत में लिए गए। क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और रबिंद्रनगर क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई। पुलिस के अनुसार, घायल पुलिसकर्मियों की हालत स्थिर है।

राजनीतिक रंग : विपक्षी नेता और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना को सांप्रदायिक बताते हुए ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि माहेशतला में हिंदुओं और हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमले बढ़ रहे हैं और केंद्र सरकार से केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। दूसरी ओर, टीएमसी नेता कुणाल घोष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह स्थानीय विवाद था और इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया। पश्चिम बंगाल में हाल के वर्षों में सांप्रदायिक झड़पों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके कई कारण हैं।

जमीन और अतिक्रमण विवाद : माहेशतला और मुरशिदाबाद जैसी घटनाएं अक्सर जमीन के स्वामित्व या धार्मिक स्थलों के पास अतिक्रमण से शुरू होती हैं, जो स्थानीय समुदायों के बीच तनाव को बढ़ाती हैं।

सामाजिक ध्रुवीकरण : राजनीतिक दलों द्वारा स्थानीय मुद्दों को सांप्रदायिक रंग देना तनाव को और भड़काता है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, जैसे कि बारासात में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' से संबंधित विवाद, ने भी हिंसा को बढ़ावा दिया है। हालांकि बाद में ये घटना फर्जी साबित हुई।

प्रशासनिक विफलता : मुरशिदाबाद हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे हिंसा बढ़ी। माहेशतला में भी पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगा है।

सामाजिक-आर्थिक कारण : बंगाल के कुछ क्षेत्रों में आर्थिक असमानता और बेरोजगारी के कारण समुदायों के बीच तनाव बढ़ रहा है, जो छोटे-मोटे विवादों को हिंसक रूप दे देता है।

सोशल मीडिया और अफवाहें : सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और अफवाहें, जैसे कि मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर हमले की खबरें, तेजी से तनाव को बढ़ाती हैं। इसमें एक राजनीतिक दल के आईटी सेल की मुख्य भूमिका है। माहेशतला में हुई हिंसा ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव की गंभीर समस्या को उजागर किया है। यह घटना न केवल स्थानीय प्रशासन के लिए एक चुनौती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सामाजिक एकता को मजबूत करने और भड़काऊतत्वों पर लगाम लगाने की तत्काल आवश्यकता है। ममता की सरकार को और समाज को मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे

संक्षिप्त समाचार

रोड एवं नाली निर्माण के लिए भाजपा नेता राहुल चौधरी ने की मुलाकात संजय सेठ रक्षा राज्य मंत्री जी से

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज वार्ड नं 28 के कई रोड,नाली निर्माण एवं अन्य मसलों को लेकर आज वार्ड नंबर 28 के प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राहुल चौधरी ने रांची के लोकप्रिय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी से मुलाकात किया।इस मौके पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित नवीन ठाकुर,शुभम सोनी,संतोष कुमार जितेंद्र वर्णवाल,शुभम सोनी,अनुराग,चंदन चौधरी,सिंटू,

विकास सिंह,संजय,बिट्टू,पिंटू साहू आदि मौजूद थे।

हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर परिसर में बनेगा खेल मैदान,भूमि पूजन से प्रारंभ हुआ खेल मैदान निर्माण का कार्य

मंडरो:

झारखंड बिहार सीमावर्ती क्षेत्र हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर परिसर में बिहार मनरेगा के तहत बास्केटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, स्पेस बनाने को लेकर पंचायत समिति नंदिनी देवी के द्वारा किया गया भूमि पूजन ।मौके पर हाजीपुर फौजदारी दुर्गा पूजा समिति के रणजीत कुशवाहा, भवेश यादव, चंद्रशेखर यादव समेत अन्य मौजूद थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहा है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाया जा रहा है। या पल न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं का विस्तार कर रही है बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी दे रही है। खेल मैदाने की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें बहुउद्देशीय बनाया जा रहा है बड़े मैदाने में खिलाड़ियों को सुविधा मिलेगी। मनरेगा के तहत खेल मैदान बनाने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल की प्रतिभाओं को विकसित करना है। इन खेल मैदाने से युवाओं को विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण और अभ्यास करने की सुविधा मिलेगी। खेल मैदाने से ग्रामीण युवाओं को स्वस्थ और शारीरिक विकास के लिए भी बढ़ावा मिलेगा ।

झारखंड विधानसभा आवास समिति के अध्यक्ष श्री राज सिन्हा का साहेबगंज आगमन, योजनाओं की गहन समीक्षा

साहिबगंज :

साहिबगंज जिला में झारखंड विधानसभा आवास समिति के अध्यक्ष राज सिन्हा का आगमन हुआ। उनके द्वारा परिसदन भवन के सभागार में जिला के सभी विभागों के योजनाओं/ कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से शिकारीपाड़ा विधायक श्री आलोक कुमार सोरेन एवं राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन अंसारी उपस्थित रहे। विधायक ने जिले में चल रही योजनाओं की जमीनी स्थिति और जनहित से जुड़ी प्राथमिकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।बैठक में मुख्य रूप से जिला आपूर्ति विभाग, जिला भू अर्जन, भूमि सुधार, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, योजना कार्यालय, जिला पंचायती राज शाखा, जिला खेल विभाग, राज्य कर विभाग, जिला परिवहन, उत्पाद विभाग, उद्योग विभाग, नियोजन विभाग, कौशल विकास, अवर निबंधन, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, जिला समाज कल्याण, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, भूमि संरक्षण, जिला उद्यान, गव्य विकास, जिला पशुपालन, पलाश, श्रम विभाग, नगर परिषद, मत्स्य विभाग आदि विभागों के कार्यों की विस्तृत रूप से समीक्षा किया गया ।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटी-डीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।अध्यक्ष ने पदाधिकारियों को योजनाओं के सफल एवं समयबद्ध निष्पादन हेतु सक्रियता से कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके।

बिरसा हरित ग्राम योजना का लाभ ले रजिबुल बना आत्मनिर्भर,

आम और सब्जी की हो रही अच्छी उपज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार के द्वारा पाकुड़ प्रखंड स्थित हिरानंदनपुर पंचायत के बेलडंगा ग्राम में मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना का निरीक्षण किया गया। लाभुक रजीबुल शेख ने उपायुक्त को बताया कि 1 एकड़ आम बागवानी जिसमें 112 आम का पौधा, इमारती 80 पौधा का मिश्रित खेती मैंने किया है। जिसमें आम की अच्छी उपज एवं आमदनी हुई है। इसके अलावे सब्जी की खेती, नींबू, कटहल, पपीता, इत्यादि का खेती किया गया है। लाभुक ने बताया कि 2024 में आम 26 हजार का, सब्जी 16 हजार का बिक्री किया गया। इस बार आमदनी लाख पहुंच गया है। उपायुक्त ने किसान से आम की वैरायटी एवं उनके पैदावार के बारे में जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सभी योग्य लाभुक इस योजना से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकते हैं। साधारण खेती के स्थान पर यह एक बेहतर विकल्प है। सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, इसका लाभ लें। लाभुक के द्वारा डीसी

को आम खिलाया गया। उपायुक्त ने आम खाकर लाभुक राजीबुल के कार्यों की सराहना किया तथा आगे बढ़ने का हौसला दिया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान उपस्थित थें।

रेलवे पूर्व महाप्रबंधक से मिला ईजरप्पा का प्रतिनिधिमंडल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःसाहिबगंज पाकुड़ रामपुरहाट के रेल खंड में यात्रियों की लगातार 7 वर्षों की चिर लंबित मांग 63406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट पैसेंजर के साहिबगंज से रामपुरहाट की ओर प्रस्थान करने हेतु समय परिवर्तन करने को लेकर ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के अध्यक्ष हिसाबी राय, सचिव राणा शुक्ला, सह सचिव सुशील सहा ने कोलकाता स्थित महाप्रबंधक कार्यालय कक्ष में महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता मिलिंद देउस्कर, मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार तथा उप महाप्रबंधक वेद प्रकाश को शाल, स्मृति चिन्ह प्रदान करने के बाद पुष्प गुच्छ देकर इस रेलखंड की यात्रियों की ओर से उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया। वही इजरप्पा के सदस्यों ने स्थानीय रेल समस्याओं को लेकर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा किया। इस बाबत अध्यक्ष हिसाबी राय के द्वारा बताया गया कि महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे से स्थानीय रेल समस्या को लेकर विस्तारपूर्वक वार्ता हुई जिसमें कुलापहाड़ी तीलभीट्टा एलसी गेट नंबर 40 के भूमिगत पथ पर जल जमाव की समस्या,13181अप- 1318 2 डाउन कोलकाता काजीरंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस का पाकुड़ में ठहराव,ईसाकपुर गेट नंबर 39 पर रोड ओवर ब्रिज के डीपीआर निर्माण तथा उसकी अद्यतन स्थिति पर जानकारी प्राप्त किया गया,पाकुड़ रेलवे स्टेशन

पर लिफ्ट-एक्सीलेटर की चिरलंबित समस्या का समाधान आदि जिस पर उन्होंने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया तथा तुरंत हावड़ा मंडल के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए तुरंत समस्या को समाधान करने का आदेश दिया। वही तदोपरांत सहायक मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे हावड़ा उदय कुमार कुमार केशरी से मिलकर स्थानीय समस्याओं पर सात सूत्री मांगों से अवगत कराया गया। किस प्रकार रेल द्वारा पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के सुविधार्थ सारी व्यवस्था रहने के उपरांत भी पाकुड़ स्थानीय रेल पदाधिकारी के द्वारा रख रखाव के अभाव में उसकी स्थिति खस्ता हो गई है। ज्ञात हो कि अपने स्थापनाकाल से ही लिफ्ट एक्सीलेटर बंद पड़े हैं, पाकुड़ रेलवे स्टेशन परिसर की साफ सफाई मजदूरों के अभाव में जीर्ण शीर्ण अवस्था में है, रेलवे स्टेशन व परिसर पशुओं का चरागाह एवं विश्रामालय बन चुका है, कब किसी यात्री की जान चली जाए या कोई नहीं बता सकता है, यात्रियों को प्लेटफार्म पर अवस्थित यात्रियों के लिए मिलने वाले शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु आरओ से पिछले छः माह द्वारा मिलने वाली शुद्ध पानी बिना शुद्धिकरण के मिल रहा है। विगत एक वर्षों से रेलवे स्टेशन परिसर में सुलभ शौचालय बनकर यात्रियों के लिए तैयार है पर लोकार्पण के अभाव में आज तक बंद पड़ा है इत्यादि। इन सारे विषयों पर सहायक मंडल रेल प्रबंधक पूर्व रेलवे हावड़ा श्री केशरी ने गंभीरतापुर में विचार करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि जनहित में यह सारे गंभीर मुद्दे हैं तथा संवेदनशील है तथा इस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगा ।मैं स्वयं इन सारी समस्याओं की जांच स्वयं करूंगा। साथ ही पाकुड़ भुमिगत पथ पर आवागमन करने वाले पाकुड़ के आमजनों हेतु शेड का निर्माण किया जाएगा।

कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोवर ने पाकुड़ सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ बुधवार देर शाम पाकुड़ सदर अस्पताल सोनाजोड़ी का कांग्रेस अध्यक्ष मनोवर आलम ने भ्रमण कर अस्पताल में इलाज करवा रहे मरीजों से मिलकर हाल चाल जाना मरीजों को मिलने वाली दवा चिकत्सको द्वारा नियमित जांच सहित मरीजों को मिलने वाली भोजन को भी परखा, वही मनोवर आलम ने कहा की मरीजों ने अस्पताल में मिल रही व्यवस्था पर सवाल तो नही उठाया लेकिन समय समय पर वार्ड में मरीजों को चिकित्सक देखने नही आते है, इसपर भी सवाल उठाया वही अस्पताल में कुछ दवाइयां मौजूद नहीं रहने के कारण अक्सर मरीजों को बाहर दवा दुकान से

खरीदना पड़ता है जो की काफी महंगी होती है, आगे उन्होंने अस्पताल के संबंधित अधिकारी से मरीजों को मिलने वाली भोजन की क्वालिटी में और सुधार हो, साफ सुथरा बर्तन का इस्तमाल करने खाना परोसने के लिए पत्ता का प्लेट देने का आग्रह किया हैं, मेन्यू लिस्ट के अनुसार चलने के लिए कहा गया है ताकि मरीजों को पता चले की आज उसे खाना में क्या मिलना चाहिए ये जानकारी रहे उपस्थित नर्शो से आग्रह किया गया की मरीजों से सरल बरताव किया जाए सदर अस्पताल में पहले के मुताबिक कुछ सुधार देखने को मिला जोकि अच्छा हैं, अस्पताल में सभी दवा मरीजों को मिले या मेडिकल में आयुष्मान कार्ड के जरिए मिले ताकि गरीब मरीजों को पैसा देकर दवा न खरीदना पड़े इस संबंध में जल्द ही विधायक हेमलाल मुर्मू विधायक निशात आलम, सांसद स्वास्थ मंत्री से लिखित आग्रह किया जाएगा.

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय महारुद्र यज्ञ की शुरुवात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर - मोहनपुर थाना क्षेत्र के त्रिकूट पर्वत के तलहटी पर बसे सिरसा नुनथर गाँव में सात दिवसीय श्री श्री 1008 श्री शिव शक्ति महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के साथ ही रामधुन सकीर्तन की शुरूवात हो गई हैं। जिसमें गुरुवार अयोध्या एंव बनारस से आए महराज द्वारा कलश यात्रा के साथ पंचांगपूजन के पश्चात मण्डप में प्रवेश कर अरणिमंथन किया गया। जिसमें सिरसा बसडीहा सहित आसपास गांव व दूरदराज से लगभग एक हजार से अधिक कन्याओं व महिलाओं ने भाग लिया और महाकलश यात्रा को सफल बनाया। मालूम हो कि महाकलश यात्रा के पूर्व त्रिकूट पर्वत के शिव गँगा में पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन किया और विधि विधान के साथ सभी कलशों में जल भरा गया। उसके बाद महा कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा के साथ अयोध्या एवं बनारस से आए यज्ञाचार्य पंडित मधुरेंद्र और कंहीया तिवारी के नेतृत्व में सात दिवसीय महायज्ञ अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया, साथ ही यज्ञ मंडप का शुद्धिकरण किया गया। अघोर पीर अजयनाथ

बाबा और महामण्डलेश्वर राजेश्वरीनन्द गिरी इस महायज्ञ का नेतृत्व कर रहे हैं। और उक्त महायज्ञ में यज्ञाचार्य एंव कथा प्रवक्ता आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री महाराज के सात दिनों कथा का आयोजन किया जाएगा। वहीं यजमान के रूप में अघोर संजय बाबा, सुपाल ठाकुर और कुलवंत सिंह रहे। महाज्ञाय को सफल बनाने में प्रफुल्ल सिंह, महावीर सिरसा, देवनारायण सिंह, बलवंत सिंह, राजू सिंह, देवाशीष चौधरी, नेपाल कपरी, युगल पंडा, विजय सिंह, अध्ययन ठाकुर, गिरधारी यादव, मंटू यादव, प्रकाश यादव, अरुण सिंह, पप्पू सिंह, बिरजू बरनवाल, शुभम कुमार सहित आसपास के दर्जनों गाँव के ग्रामिण मौजुद थे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर पाकुड़ न्यायालय सभागार में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सभागार में आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित एक दिवसीय किशोरियों का एक्सपोजर विजिट के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो ने बताया कि बाल श्रम की समस्या को उजागर करने और इसे खत्म करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है।बाल श्रम गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और जागरूकता की कमी से उत्पन्न होता है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस-2025 का थीमः प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम किया

जाना बाकी है आइए प्रयासों को तेज करें₹ हैं ।अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने साल 2002 में इस दिन की शुरूआत की थी, ताकि बच्चों को शोषण से बचाया जा सके और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाल बचपन का अधिकार मिल सके।बच्चों से होटल, फैक्ट्री, खेत, दुकानों, घरों और अन्य जगहों पर काम करवाया जाता है. इससे न सिर्फ बच्चों का बचपन छिन जाता है, बल्कि उनके शरीर और दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है। यह दिन सरकारों, संगठनों और लोगों से बाल श्रम के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता है। थीम कहती है कि हमें अब और तेजी से काम करना होगा ताकि 2025 तक हर बच्चा बाल श्रम की जकड़ से मुक्त हो और उसे पढ़ाई, खेल और खुशहाल बचपन मिल सके। यह सभी से मिलकर और मेहनत करने की अपील की गई ।वहीं लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ ने कहा कि बाल श्रम की समस्या को उजागर करने और इसे खत्म करने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। बाल श्रम से संबंधित कई कानूनी सजा का प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बच्चों का विकास , संरक्षण का अधिकार समेत उनके अधिकार के बारे में कानूनी जागरूकता से अवगत कराया गया।जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार नेशिक्षा से संबंधित निःशुल्क किताब , नामांकन, पढ़ाई से संबंधित हर सम्मान समेत कपड़ा शिक्षा सभी निःशुल्क सरकार की ओर से दी जाती है।कोई भी बच्चा अगर बाल मजदूरी करता हो तो ऐसे बच्चों का नजदीकी विद्यालय में नामांकन कराए उनके अभिभावक को जागरूक करे और शिक्षा को लेकर समाज में जागरूकता फैलाए।मौके पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सुबोध कुमार दफादर,आमड़ापाड़ा प्रखंड के मध्य विधालय पाडरकोला , मध्य विधालय जीतको समेत आमड़ापाड़ा प्रखंड अन्य विद्यालयों के शिक्षिका छात्रा ने बाल श्रम , बाल विवाह पर अपने बातों से जागरूक की। पीएलवी अमूल्य रत्न रविदास ने भी जागरूक की मौके पर पीएलवी पिंकी मंडल, रानी साहा, चंद्र शेखर घोष, उत्पल मंडल, विजय कुमार राजवंशी, नीरज कुमार राउत उपस्थित रहे।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के सदस्यों द्वारा गंजेटिक डॉल्फिन का हुआ सर्वे

साहिबगंज :

भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा साहिबगंज जिले के गंगा नदी क्षेत्र में डॉल्फिन सर्वेक्षण किया गया। यह सर्वे साहिबगंज से लेकर राजमहल, उधवा होते हुए बंगाल सीमा तक किया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा डॉल्फिन के संरक्षण एवं उनके प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाना था।यह सर्वेक्षण वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग के निर्देश पर संपन्न हुआ। इसके साथ ही डॉल्फिन प्रहरियों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्हें यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार गंगा डॉल्फिन की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहयोग कर सकते हैं।भारतीय वन्यजिव संस्थान की प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. शोवना रॉय ने जानकारी दी कि साहिबगंज क्षेत्र में गंगा डॉल्फिन की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि इसका प्रमुख कारण यहाँ की गंगा नदी का स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त होना है, जो डॉल्फिन के लिए एक अनुकूल आवास प्रदान करता है। इसके साथ ही यह समृद्ध जैव विविधता के लिए भी अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।साहिबगंज गंगा नदी क्षेत्र न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह डॉल्फिन जैसे संकटग्रस्त जलजीवों के लिए भी एक सुरक्षित आश्रय स्थल बनता जा रहा है।इस सर्वेक्षण के दौरान हक्कके सदस्य श्री विजय प्रताप सिंह, हिया शर्मा, सुरोजीत मैत्रा, राजीव साहा और सागर साहनी उपस्थित रहे। साथ ही स्थानीय वनरक्षी इन्द्रजीत कुमार और अंकित झा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।डॉल्फिन प्रहरियों में संतोष यादव समेत अन्य सभी उपस्थित रहे ।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर साहेबगंज जिले में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

साहिबगंजः

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को बाल मजदूरी से बचाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही, बच्चों को बाल श्रम निषेध एवं विनियमन अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि बाल श्रम करवाने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसके अतिरिक्त, बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी एवं बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों को बताया । उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को बाल श्रम के विरुद्ध संवेदनशील बनाना तथा बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक बचपन सुनिश्चित करना है।

विमान हादसे के बाद भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला के कार्यक्रम स्थगित

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर जिला में आयोजित हो रहे थे कार्यक्रम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद देवघर जिला में बीजेपी ने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए है। प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक और जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने उसकी जानकारी दें उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल के निर्देश पर अहमदाबाद विमान हादसे के चलते पार्टी के सभी कार्यक्रमों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया गया है आपको बता दें कि आज भारतीय जनता पार्टी देवघर जिला में भारतीय जनता पार्टी ,मोदी सरकार के सेवा ,सुशासन ,गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कालखंड के अवसर पर प्रदर्शनी, प्रेस वार्ता एवं प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया है । इसके लिए जुएल उरांव भारत के वर्तमान जनजातीय मामले के केन्द्रीय मंत्री हैं। उनका देवघर आगमन हुआ था उनका भी तबियत अचानक खराब हो गई *कार्यक्रम

स्थल पर ही शोक सभा का हुआ आयोजन गुजरात के अहमदाबाद ओडिशा में हुई विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गुरुवार को शिव वाटिका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भाजपा कार्यकताओं ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। और घायल को स्वस्थ होने की कामना की भाजपा जिलाध्यक्ष सचिन रवानी ने कहा कि विमान हादसे में करीब 241 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना को लेकर पूरे देश में शोक की लहर है। भाजपा के कार्यकर्ता इस हृदयविदारक घटना में मृतक यात्रियों के परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ भाजपा के सभी कार्यकर्ता दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ हैं।कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की। शोकसभा में जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया संतोष उपाध्याय जिला उपाध्याय प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव जजवाड़े,पूर्व जिला अध्यक्ष नवल राय राजीव रंजन सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बरायिक प्रज्ञा झा,धनंजय तिवारी विनय चंद्रवंशी , विजया सिंह,सचिन सुल्तानिया अमृत मिश्रा, विश्वनाथ रवानी,मुकेश पाठक धनंजय खवाड़े, सोना धारी झा , सुलोचना देवी,गौरी शंकर शर्मा आशीष कुमार दुबे दशरथ दास,बबलू पासवान विनीता पासवान, कुसुम सिंह अलका सोनी संध्या कुमारी मीना झा निरज प्रकाश,बम बम दुबे जय मिश्रा अशोक गोंड रमेश राय संजय गुप्ता आदि शामिल रहे।

आयुष जांच शिविर में 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ प्रखंड के ताकाटोला एवं सोनाजोड़ी एवं महेशपुर प्रखंड के चापतुरा में आयुष विभाग की ओर से गुरुवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 87 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ सौरभ विश्वास, डॉ कुलेश कुमार एवं डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

औरंगाबाद के नबीनगर में गरजे प्रशांत किशोर, कहा- मोदी जी वोट ले रहे हैं हम लोगों से और फैक्ट्री लगा रहे हैं गुजरात में

नबीनगर, औरंगाबाद के बच्चे वहां जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जन सुराज पार्टी के प्रणेता प्रशांत किशोर पहुंचे नबीनगर में जम कर भड़के विपक्षी दलों पर,बताते चलें कि बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू की गई 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत आज जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर एक दिवसीय दौरे पर औरंगाबाद पहुंचे।औरंगाबाद पहुंचने पर प्रशांत किशोर का विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में पार्टी और उनके समर्थकों ने ढोल- नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें फूल- माला से लाद दिया। प्रशांत किशोर के पीछे गाड़ियों का लंबा काफिला चल रहा था। प्रशांत किशोर ने जिले के नबीनगर प्रखंड में स्थित अनुग्रह नारायण स्टेडियम में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित किया। जनसभा में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। दोपहर से ही बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं जनसभा स्थल पर पहुंचने लगे थे और जन सुराज के सूत्रधार को सुनने के लिए उनमें काफी उत्साह देखा गया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी बिहार की जनता से वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगा रहे हैं। पूरे देश का पैसा लेकर गुजरात के गांव-गांव में फैक्ट्री लगाई जा रही हैं और बिहार के बच्चे वहां जाकर

मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि जब वोट आपका है तो फैक्ट्री कहां लगनी चाहिए, गुजरात में या बिहार में? इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने से लेकर जमीन की रसीद कटाने तक के लिए रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम लोग परेशान हैं। उन्होंने नबीनगर की जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट न दें। अगली बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन कर जनता का राज स्थापित करने के लिए नेताओं का चेहरा देखकर वोट न करें। चुनाव में वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं अपने बच्चों के चेहरे को देखकर दीजिएगा। अगली बार अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें। दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी, 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निजी स्कूलों में भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी - प्रशांत किशोर प्रशांत किशोर ने नबीनगर की जनता से बड़ा वादा करते हुए कहा कि दिसंबर 2025 से 60 साल से अधिक उम्र के हर पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल छठ के बाद बिहार के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति का दिया निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ गुरुवार को डीसी मनीष कुमार ने बिजली विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले में निर्बाध रूप से बिजली सेवा बहाल करने का निर्देश विद्युत कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने जिले में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि 6 बजे शाम से 6 बजे सुबह तक किसी भी क्रशर को बिजली मुहैया नहीं करायें जाएं। हर हाल में शहरी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से बिजली मिले ये सुनिश्चित की जाएं।अनावश्यक रूप से लोड शेडिंग एवं मेंटेनेंस के नाम पर बिजली कटौती न करें अन्यथा संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने खराब पड़े ट्रांसफार्मर व जर्जर बिजली के पोल व तारों को बदलने का निर्देश दिया। कहा कि बिजली आज की बुनियादी आवश्यकता है और इसे गांव-गांव तक पहुंचाना प्रशासन की प्रतिबद्धता है। इस दौरान उपायुक्त ने आरडीएसएस के तहत चल रहे कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। जिले में चिन्हित वैसे टोला व बस्ती जहां बिजली नहीं है। वहां बिजली सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया।

पीड़ित दुकानदारों से मिले झामुमो नेता श्यामाकांत झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड मुक्ति मोर्चा व्यवसाय प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष श्यामाकांत झा शिव गंगा स्थित आग लगने से जले दुकानों के मालिकों से मिलकर वहां की वस्तु स्थिति से अवगत हुए और मौके पर पीड़ित दुकानदारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया।साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर से भी कुछ मदद मिले इसको लेकर भी पहल करेंगे और जरूरत पड़ा तो जिला के वरीय अधिकारियों से मिलकर कोई न कोई रास्ता अवश्य निकालेंगे।इस दौरान उनके साथ संगठन के कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।श्री झा ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अस्थाई दुकानदारों पर निश्चित रूप से यह एक पहाड़ गिरने जैसी स्थिति है।लोग श्रावणी मेला का इंतजाम और तैयारी में जुटे थे ताकि इस वर्ष अच्छा व्यवसाय कर सके पर यह एक तरह का बज्रपात हुआ है इन लोगों पर, बहुत दुख की बात है।प्रयास करूंगा कि इनलोगों को कुछ मदद अवश्य मिले ताकि इनकी जीवन फिर पटरी पर दौड़ सके।

झारखंड आंदोलनकारी सदस्यों ने की प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि की मांग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड आंदोलनकारीयों में कुछ सदस्यों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री को एक आवेदन प्रेषित किया है।आवेदन में दशार्या है कि सभी पृथक झारखंड राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका में रहें हैं और हमलोगों को झारखंड आंदोलनकारी चिंहितिकरण आयोग झारखंड सरकार द्वारा पूर्व यानी प्रथम सूची में ही चिंहितीकरण आयोग द्वारा चिन्हित कर लिया गया है।बावजूद अभी तक हम सभी को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान राशि से वंचित रखा गया है।सम्मान की प्रत्याशा में कुछ आंदोलनकारी साथी की मृत्यु भी हो चुकी है। वर्तमान में हम सभी की आर्थिक स्थिति भी दयनीय होती जा रही है।वहीं सभी आवेदक ने आग्रह किया है कि हम सभी आंदोलन कारियों को(सारवां और सोनारायठाड़ी) को प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि दिया जाए।आवेदकों ने इसकी एक प्रति जिला के उपायुक्त को भी दिया है।आवेदकों में मुख्य रूप से दशरथ सोरेन,राजेश हांसदा,हेमलाल हेम्ब्रम,गणेश चंद्र सोरेन,तोड़े सोरेन,निर्मल हांसदा,जयलाल हांसदा,हीरालाल टुडू,परमेश्वर हेम्ब्रम,सुखु मुर्मू,नसीब लाल टुडू,मुकुल हांसदा,मार्जन हांसदा,मोहन कुमार हांसदा,धर्मेंद्र मुर्मू,लिखराज हांसदा,सेवाचन्द्र महतो सहित कुल बाईस लोग शामिल हैं।

तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में देवघर के तीन खिलाड़ी लेंगे भाग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

तालकटोरा स्टेडियम नईदिल्ली मे 12 जून से 14 जून तक आयोजित राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में देवघर के तीन खिलाड़ी भाग लेने झारखंड टीम के साथ पहूंची. इसकी जानकारी देते हुए जिला गतका संघ के महासचिव कौशल कुमार सिंह ने बताया कि पिछले दिनों बरही हजारीबाग मे आयोजित राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में साबरा खातुन ,मानसी कुमारी और दिव्यांशु कुमार ने अच्छा प्रदर्शन कर पदक प्राप्त किया था. इनके चयन पर संघ के पदाधिकारी रौनक सिन्हा, राहुल कुमार ,दशरथ महथा ,सोनी काश्यप ,रोहित कुमार ,दीपक कुमार विद्या सिंह आदि ने बधाई दी

देवघर के चार बॉक्सर जूनियर चैंपियनशिप में लेंगे भाग

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

17 वा स्टेट सब जूनियर जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप 13 जून से 15 जून तक जे. आर .डी. कंपलेक्स नोवामुंडी में आयोजित हो रही है जिसमें देवघर के चार बॉक्सर जूनियर ग्रुप में क्रमशः मो0 इरशाद, आशुतोष आयुष, कृष कुणाल,तरुण, देवघर जिला बॉक्सिंग संघ के द्वारा कोच आराव के नेतृत्व में भाग लेने आज नोवामंडी रवाना हुए । यह जानकारी देवघर के जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव आजाद कुमार पाठक के देते हुए बताया कि इस बार देवघर के बॉक्सरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की गई है।

केवल रेस्क्यू नहीं, अब जरूरत है राष्ट्रीय स्तर पर ठोस एक्शन की रानी कुमारी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के मौके पर चेतना विकास ने देवघर ज़िले में बाल श्रम के खिलाफ चल रहे उनके अभियान के मद्देनजर बताया कि बीते एक साल में प्रसशनिक धावादल टीम के साथ बालश्रम मुक्ति कार्यक्रम किया गया, जिनमें से 37 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया. चेतना विकास की निर्देशिका रानी कुमारी ने बताया कि बाल श्रम के खात्मे की दिशा में जिला प्रशासन और नागरिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय रहा है. हमने सिर्फ बच्चों को रेस्क्यू ही नहीं किया, बल्कि उनके पुनर्वास और शिक्षा के लिए भी काम किया है. उन्होंने कहा कि पीड़ितों के पुनर्वास और अपराधियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई से ही बाल मजदूरी पर रोक लग पाएगी और भारत इस दिशा में आगे बढ़ भी रहा है. अब जरूरत है एक राष्ट्रीय स्तर के मिशन की, जो इस काम को और ठोस बनाए. बाल श्रम के खात्मे के लिए समग्र नीतिगत बदलावों, 18 साल तक मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा, पीड़ित बच्चों के पुनर्वास के लिए बाल मजदूर पुनर्वास कोष की स्थापना, राज्यों को उनकी विशेष जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने, बाल मजदूरी के खात्मे के लिए सतत विकास लक्ष्य 8.7 की समयसीमा को 2030 तक बढ़ाने, दोषियों के खिलाफ सख्त व त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की.

चेतना विकास, बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले देश के सबसे बड़े नागरिक समाज नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) का हिस्सा है. JRC देश के 418 जिलों में 250 से ज्यादा संगठनों के साथ मिलकर बाल श्रम, बाल विवाह, तस्करी और यौन शोषण के खिलाफ जमीनी स्तर पर अभियान चला रहा है. जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JRC) के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, भारत बाल श्रम को खत्म करने के अंतरराष्ट्रीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता है और हमने ठोस कदम उठाए हैं. विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए बाल श्रम मुक्त आपूर्ति श्रृंखला, कौशल विकास और शिक्षित व जिम्मेदार नागरिक पहली शर्त हैं. हमें बाल श्रम को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की जरूरत है.

के.ए. पॉल ने एयर इंडिया फ्लाइट अक-171 हादसे के पीड़ितों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की

नई दिल्ली , ।

एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 के भीषण हादसे के बाद ग्लोबल पीस इनिशिएटिव के संस्थापक डॉ. के.ए. पॉल ने 242 मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और इस हादसे को संभावित आतंकी हमले के रूप में देखते हुए व्यापक जांच की मांग की है। लंदन जा रही यह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद मेघानी नगर के एक रिहायशी इलाके में गिर गया, जिसमें 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली, 1 कनाडाई नागरिक और पूरी क्रू टीम सहित सभी लोग मारे गए। डॉ. पॉल ने कहा कि इस त्रासदी की भयावहता त्वरित और गहन जांच की मांग करती है। उन्होंने अपनी 40 वर्षों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा और विमानन अनुभव का हवाला देते हुए सुरक्षा में गंभीर चूक की आशंका जताई और जांच के दायरे में बैगेज टेम्परिंग से लेकर रिमोट-कंट्रोल्ड विस्फोटक जैसे तमाम संभावित कोणों को शामिल करने की बात कही। इस घटना को सामान्य तकनीकी विफलता मानकर छोड़ना उचित नहीं होगा। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना केवल राष्ट्रीय शोक नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। राजनीतिक, कानूनी और तकनीकी– हर स्तर पर इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,ह्व डॉ. पॉल ने कहा। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो इससे भारत की विमानन साख, वैश्विक छवि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में बड़ा नुकसान हो सकता है। पारदर्शी और निष्पक्ष जांच से न केवल न्याय की दिशा में प्रगति होगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विश्वास भी बहाल होगा। डॉ. पॉल ने समाज के सभी वर्गों से एकजुटता की अपील करते हुए कहा कि ऐसी त्रासदियों का इस्तेमाल विभाजन नहीं, बल्कि शांति, न्याय और सुरक्षा के लिए एकजुट होने के अवसर के रूप में किया जाना चाहिए।

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रणधीर कुमार द्वारा छात्र छात्राओं को फ्री में हायर एजुकेशन दिया जा रहा है

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह बिहार क्षत्रिय करणी सेना के द्वारा छात्र छात्राओं को फ्री में हायर एजुकेशन जैसे B-TECH, M-TECH, BCA, MCA, MBA, LLB, ANM, GNM, OTHER, PARAMEDICAL ENGINEERING, MANAGEMENT, का सभी कोर्स फ्री में पढ़ाया जा रहा है, बिहार झारखंड छोड़ देश के किसी भी राज्य के स्टेट गवर्नमेंट यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेज से, रणधीर सिंह जी ने कुछ दिन पहले मीडिया के सामने घोषणा किया था, अब हर गरीब, किसान, मजदूर का बच्चा पढ़ेगा और

बढ़ेगा, वह बोले गली नली बनाने का झूठा वादा तो नही करूंगा, पर हर गांव में इंजीनियर बनाऊंगा जिससे वह गली नली तालाब खुद से बनवा लेंगे, उन्होंने कहा जहां मंत्री विधायक और बड़े लोगों के बच्चे पढ़ते हैं, वैसे कॉलेज से पढ़ाएंगे, और बच्चे जिस कॉलेज से पढ़ेंगे वहां से ही उनकी प्लेसमेंट (नौकरी) भी होगा, इस कार्यक्रम में औरंगाबाद जिला के करीब सभी प्रखण्ड से छात्र छात्राएं अपने गार्जियन के साथ आए थे, सभी बच्चे संतुष्ट थे, रणधीर सिंह जी जी के बातों से, और करीब 80 (असी) बच्चों ने अपना फॉम भरा और उन सभी बच्चों को काउंसलिंग के लिए पटना बुलाया गया है, यह कारवां बढ़ता जा रहा है, पहले भी औरंगाबाद के बच्चों का एडमिशन हो चुका है, उनके गार्जियन भी आए थे, यह कार्यक्रम औरंगाबद के अनुग्रह नारायण मेमोरियल कॉलेज में 12/06/2025 को किया गया, जिसमें करीब सैकड़ों के संख्या में छात्र छात्राएं और गार्जियन पहुंचे थे, सभी बच्चे रणधीर सिंह जी के सभी बातों से संतुष्ट हो कर लास्ट में अपना फॉम जमा किया, और काउंसलिंग में जाने को कहा, वहां कॉलेज के प्रोफेसर संजीव कुमार सिंह, प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह, प्रोफेसर विनोद सिंह, एवं कॉलेज के कई प्रोफेसर एवं कॉलेज के संबंधित कर्मचारी मौजूद थे।

12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में 12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा जिला अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।बाल श्रम के विरूद्ध विभिन्न स्थलों पर प्रभात फेरि निकाली गयी एवम नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस क्रम में राजकीय महिला प्रशिक्षण संस्थान रहभान बीघा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर से कार्यशाला का आयोजन किया गया ' कार्यक्रम की शुरूआत श्रम अधीक्षक, प्राचार्य महिला क्ळक श्रम कल्याण समिति के सदस्य के सदस्य,तरक्की स्वयंसेवी संस्थान के संयोजक श्री मिनहाज द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया'कार्यक्रम में औरंगाबाद जिला अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में बाल श्रम निषेध विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

गया' कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा बाल श्रम निषेध संबंधी शपथ ली गई 'श्रम अधीक्षक द्वारा बताया गया कि 6 से 14 वर्ष के बाल श्रमिकों से कार्य कराना दण्डनीय अपराध है जिसके दोषी नियोजकों के विरूद्ध ,१ दर्ज कर बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर श्रम विनियमन अधिनियम अंतर्गत 20000 से 50000 रुपये जुमार्ना अथवा 2 वर्ष के कारावास का प्रावधान है 'कार्यक्रम में ठिठोली सामाजिक एवं सांस्कृतिक दर्पण नुक्कड़ नाटक की टीम द्वारा प्रस्तुति के माध्यम से श्रमिकों को बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक किया गया एवं बिहार भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड संबंधित निबंधन एवम कल्याणकारी योजनाओं यथा मातृत्व लाभ, मृत्युहित लाभ, नकद पुरस्कार, विवाह वित्तीय सहायता संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई' ग्रामीण प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न पंचायतों से आये श्रमिकों को एक दिन के मार्ग व्यय एवं मजदूरी का भुगतान किया गया 'जिले को बाल श्रम से मुक्ति दिलाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया'

अनुपमा यादव के जन्मदिन पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने बधाई दी

पटना , ।

भोजपुरी सुपर स्टार लोक गायिका अनुपमा यादव के जन्मदिन पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर और प्रतीक चिन्ह देकर 26 वॉ जन्मदिन की बधाई और शुभकामनायें दिया जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने वाला का घर पर लगा रहा ताता इस अवसर पर उनके माता पिता सनी सिंह मोनू सिंह सुमंत तिवारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे सभी लोगो ने जन्मदिन की बधाई दी इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की अनुपमा यादव अपने जीवन मे बहुत संदर्ष कर के आज इस मुकाम पर पहुंची है उनका गाना पूरे बिहार के लोग सुनते है और सराहना करते है और कहा की हमलोगो चाहेंगे की और आगे बढ़े इसी तरह और प्रदेश और देश का नाम रौशन करें।

एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 टेकऑफ के तुरंत बाद मेघानी नगर में दुर्घटनाग्रस्त पर गहरा शोक प्रकट किया पूर्व सांसद- सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह गुजरात के अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 टेकऑफ के तुरंत बाद मेघानी नगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई इस घटना पर पूर्व सांसद ने गहरा शोक ब्यक्त किया है।पूर्व सांसद ने कहा कि यह विमान दिल्ही से अहमदाबाद होते हुए लंदन जा रहा था।विमान में टोटल 242 लोग सवार थे यह घटना बहुत दुःखद हैं।ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी घायल लोगों को शीघ्र स्वस्थ होने का कामना करता हुँ एवं शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।हम सभी लोग इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ है।भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी,पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह,सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आदित्य शेखर,पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा,देव पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक,जिला महामंत्री मुकेश सिंह,युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शुभेंदु शेखर सिंह,जिला परिषद सदस्य रामेश्वर बैठा,जिला कोषाध्यक्ष आलोक सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह,नलिनी रंजन,अमरीश सिंह,बिनोद सिंह,टनटन सिंह,पूर्व जिला मंत्री अखिलेश मेहता,वार्ड पार्षद अशोक सिंह,भाजपा नेता विनय शर्मा,रविन्द्र शर्मा,राकेश कुमार देवता,भाजपा नेता मुनीन्द्र राम,प्रफुल्ल सिंह,भरत सिंह,विधानसभा प्रभारी उदय सिंह,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनय सिंह,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता सिंह,जुलेखा खातून,सुबोध सिंह,एवं भाजपा कार्यकताओं ने शोक ब्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव को लेकर बीएलओ का मूल्यांकन व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण संपन्न

18+ को हर हाल में जोड़ा जाएगा मतदाता सूची में नाम

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची के अद्यतन और सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रशासनिक तैयारियों को गति देते हुए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का मूल्यांकन एवं क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार राजन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में 32 बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद रहे, जिन्हें मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में बेहतर समन्वय, निगरानी और बीएलओ के कार्यों की समीक्षा हेतु प्रशिक्षित किया गया। एसडीओ ने सभी सुपरवाइजरों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के बीएलओ की कार्यशैली पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों का नाम हर हाल में मतदाता सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का दुरुस्त और पारदर्शी होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए बीएलओ की भूमिका अहम है, और इस जिम्मेदारी को ईमानदारी व सतर्कता से निभाना होगा। बैठक में हसपुरा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रदीप कुमार चौधरी और गोह बीडीओ राजेश कुमार दिनकर भी मौजूद रहे। उन्होंने भी बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि वे समय-समय पर फील्ड विजिट करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य मतदाता छूटने न पाए। प्रशिक्षण सत्र में मुख्य बिंदु पात्र मतदाताओं की पहचान और नामांकन,बीएलओ के कार्यों की मॉनिटरिंग,मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर करना,दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता,नए मतदाताओं को प्रोत्साहित कर नामांकन कराना एसडीओ अमित कुमार राजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए हर एक नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया जाना प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सुपरवाइजरों को सतर्क रहकर काम करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की चेतावनी भी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को बेहतर, पारदर्शी और सबको शामिल करने योग्य बनाना था।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की घटना पर दी प्रतिक्रिया प्रशांत किशोर, कहा प्लेन क्रैश की घटना बेहद दुखद

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार बदलाव यात्रा के तहत औरंगाबाद के एक दिवसीय दौरे पर हैं। नबीनगर में जनसभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की घटना बहुत दुखद है। विमान हादसे में इतने लोगों की मौत बहुत दुखद है। इसके साथ ही समस्तीपुर की सांसद शाम्भवी चौधरी के समस्तीपुर से चुनाव लड़ने की चुनौती पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हम सिर्फ समस्तीपुर से ही नहीं बल्कि सभी 243 सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। हम उन्हें, उनकी पार्टी को, उनके पिताजी की पार्टी को, सबको चुनौती दे रहे हैं।

जेठ पूर्णिमा पर विष्णु धाम में महाआरती एवं सिंह प्रतिमा का अनावरण

रिपोर्ट प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में ग्रीष्म ऋतु के अवसान एवं वर्षा ऋतु के आगमन के मध्य वेला जेठ पूर्णिमा के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया।संध्या में विष्णु धाम परिसर स्थित भगवान विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं की षोडशोपचार विधि से पूजा अर्चना की गई।तत्पश्चात भगवान विष्णु के विभिन्न अवतार एवं उनके अद्भुत एवं दिव्य चरित्र को संपोषित आरती का गान किया गया। विष्णु धाम के वर्तमान महंत बालकानंद ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जम्होर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,सरपंच पप्पू ज्वाला सिंह,उपसरपंच सतीश कुमार वर्मा की गरिमामई उपस्थिति रही। वहीं समाजसेवी राजू वर्मा,जम्होर विकास मंच के सचिव राणा सुनील सिंह, विष्णु धाम महोत्सव समिति के सक्रिय कार्यकर्ता कुंदन कुमार सोनू,आचार्य मधुसूदन त्रिवेदी,अमित कुमार,राजू सिंह सहित अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।महाआरती के पश्चात महंत बालकानंद ब्रह्मचारी जी के बैठने का स्थान के बाएं और दाएं जो सिंह की प्रतिमा स्थापित की गई थी,उसका अनावरण किया गया।अनावरण के पश्चात उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बायीं और दायीं सिंह की प्रतिमा इस बात का प्रतीक है कि सिंह के दृढ़ शक्ति के जैसे अडिग होकर यहां पर अपनी कार्य सेवा एवं धार्मिक संप्रेषण को मूर्त रूप प्रदान करेंगे। महाआरती के संदर्भ में सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि जिस धार्मिक स्थल पर महाआरती का आयोजन होता है उस स्थल पर उस दिन कोई भी पूजा पाठ किया जाए तो उसकी विशेष फल की प्राप्ति होती है।यह भी बताया कि विष्णु धाम जैसा स्थल में पूर्णिमा तिथि अति महत्वपूर्ण है।इस तिथि को जो भी श्रद्धालु भक्त शामिल होतें हैं,उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा

मोदी सरकार के 11 साल विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल रहा है

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मोदी सरकार के 11 वर्ष सेवा , सुशासन व गरीब कल्याण के पूरे होने पर आज औरंगाबाद जिला अतिथि गृह में भाजपा द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पीयूष शर्मा ने संबोधित किया। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी व संचालन जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी ने किया । प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री पीयूष शर्मा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर कहा कि देश के इतिहास में मोदी सरकार का यह कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। यह कार्यकाल विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का स्वर्णिम काल बन रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सोच में जहां तकनीक है , वहां तरक्की है , जहां भाजपा सरकार है , वहां गरीब का कल्याण है ।शासन अब सेवा है , सरकार अब सहभागी है , सुशासन अब संस्कृति है ।मोदी सरकार देश की राजनीति में पालिटिक्स आफ परफार्मेंस लेकर आयी है । 2014 से पहले भारत में भ्रष्टाचार, घोटाले और तुष्टिकरण की हीं बात सामने आती थी , लेकिन अब विकास, आविष्कार और नवाचार की बातें हो रही हैं। यही है वो बुलंदी जहां भारत आज पहुंच गया है ।सिर्फ आंकड़े नहीं,ये नये भारत की उपलब्धियां हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में सेवा सुशासन व जनकल्याण की प्रेरणा दायक यात्रा एक ऐसा युग जहां सरकार नहीं परिवार बनकर हर नागरिक के सुख दुख में साथ रहे । पीयूष शर्मा ने कहा कि हमारा यह सिर्फ शासन नहीं जनसेवा का संकल्प है , जहां हर निर्णय में जन की भावना,और हर नीति में उनके कल्याण की भावना बसती है। आज आर्थिक उन्नति में भारत 11 वें में से चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है । 60 वर्षों में 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था से 11 वर्षों में 4 ट्रिलियन तक की छलांग हुआ है। पच्चीस करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। आज देश में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत देश के 55 करोड़ लोगों का बैंक खाता खुला है । वहीं भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत माला,सागरमाला, उड़ान योजना से सड़क, बंदरगाह और हवाईअड्डे के संपर्क में क्रांति आई है वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत हुई है। चिकित्सा के क्षेत्र का भविष्य उज्जवल हुआ है। 2014 में मेडिकल कालेजों की संख्या 387 थी ,आज 2025 में 780 हो गई है। MBBS सीटें 2014 से पहले 51,348 थी ,आज 1.18 लाख से अधिक हो गई है। आयुष्मान भारत योजना के तहत - 50 करोड़ लोगों का आयुष्मान कार्ड 10 करोड़ गरीब परिवारों को 5 लाख रूपए का मुफ्त इलाज संपन्न हुआ है। 6.5 करोड़ लोगों को 81,979 करोड़ का लाभ मिला है । आज हर साल एक नया IIT, और IIM खुल रहा है। हर हफ्ते एक नये विश्वविद्यालय की स्थापना हर दिन एक नये कालेज का उद्घाटन हो रहा है। 2014 से पहले 16 IITथे,आज 2025 में 23 है गये हैं। 2014-15 में कालेजों

की संख्या 38,498 थी ,आज 2025 में 51.959 हो गई है। University की संख्या 760 से बढ़कर 1334 है गया है। पीएम श्री के तहत 14,502 विद्यालय विकसित हो चुके हैं। एम्स की संख्या 08 से बढ़कर 23 हो चुका है। किसान कल्याण के लिए अबतक का सबसे बड़ा बजट आया है । किसान सम्मान निधि से 12 करोड़ किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रूपए की सहायता दी जा रही है। 3.7लाख करोड़ सीधे खाते में भेजें जा रहे हैं।

आज ,धान के टरढ में 80%और गेहूं में 75%की वृद्धि हुई है 2013-14 में 1310/ क्विंटल आज 2025-26 में 2369 रूपए प्रति क्विंटल हुआ है। दूध उत्पादन में 63.56% की वृद्धि हुई है । 2013-14 में 146.3 मिलियन टन था आज 239 मिलियन टन हुआ है ।स्वच्छ भारत मिशन से 12 करोड़ शौचालय का निर्माण हुआ है। 15.6 करोड़ से ज्यादा नल से जल का कनेक्शन लगाया गया है । आज युवाओं को नई ऊंचाईयों पर ले जा रही कौशल शक्ति ।पिछले 11 वर्षों में 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित किए गए। आज देश में मंदिरों के गलियारे और तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य राममंदिर, महाकाल कारिडोर का निर्माण,बनारस में कारिडोर का निर्माण, विंध्याचल में कारिडोर का निर्माण इसके प्रमुख उदाहरण हैं। धारा 370 की समाप्ति,देश में उअअ लागू, ट्रिपल तलाक की समाप्ति, महिला आरक्षण, डिजिटल क्रांति,जन औषधि केन्द्र,मिशन चन्द्रयान, नई संसद भवन , करतारपुर कारिडोर, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी,भारत मंडपम, हर हफ्ते 236 किमी हाईवे का विस्तार ,हर हफ्ते 98 किमी नये रेलवे ट्रैक ,हर दिन 15 से ज्यादा नये ट्रेन कोच ,हर दिन 70000 करोड़ से ज्यादा रूपए के UPI ट्रांजेक्शन हर 24 घंटे में एक नये ITI हर दिन बन रहे 4 से ज्यादा लोकोमोटिव,देश में पहला फारेंसिक विश्वविद्यालय,पहला रेल व परिवहन विश्वविद्यालय,उतर पूर्व में पहला AIIMS, सिलवासा में पहरा मेडिकल कॉलेज, लद्दाख में पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 81 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन, मखाना बोर्ड की स्थापना, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना से देश के लगभग सभी गांवों में बिजली, प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ लोगों को आवास , 51.06 करोड़ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 52.5 करोड़ से ज्यादा का लोन स्वीकृत ,जैसे सैकड़ों कार्य इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए गए हैं। इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक नये भारत का निर्माण किया है। यह 11 साल सेवा , सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। आज के प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री श्री मुकेश शर्मा, कार्यक्रम प्रभारी सीडी शर्मा,जिला प्रभारी मनोज कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, महामंत्री सतीश सिंह,वैभव विशाल टैगोर, उपाध्यक्ष शारिका शेखर, रंजीत कुशवाहा,जिला प्रवक्ता अश्विनी तिवारी, जितेंद्र गुप्ता, विवेक कुमार उपस्थित रहे ।

एनएच 19 पर दुर्घटनाग्रस्त मां - बेटे को समाजसेवी बमेंद्र ने पहुंचाया अस्पताल

घायलों को अस्पताल पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी एवं मानव धर्म हैः बमेंद्र

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर क्षत्रिय नगर के समीप बुधवार की रात्रि 9 बजे ट्रक की चपेट में आकर बाईक सवार मां बेटा घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।तभी पथ प्रदर्शक स्वयं सेवी संस्था के सचिव समाजसेवी बमेंद्र कुमार सिंह वहां पहुंचे और बिना देर किए घायल दोनों मां बेटे को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाएं जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेटे की स्थिति को गंभीर देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। शुभम को सिर में काफी गहरा चोट लगी थी।बेहतर इलाज के लिए परिजन शुभम को ट्रामा सेंटर वाराणसी ले गए।घायलों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भरथौली निवासी उदय सिंह के पुत्र शुभम सिंह और उनकी पत्नी देवंती देवी के रूप में की गई है। समाजसेवक बमेंद्र ने बताया कि दोनों मां बेटे शहर से अपने घर जा रहे थे। तभी किसी ट्रक की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि

दुर्भाग्य की बात यह है कि घटनास्थल पर भीड़ देखकर एक पुलिस की बोलेरो गाड़ी रुकी और उसमें से जवान भी उतरे। सभी ने हादसे को देखा लेकिन कोई मदद नहीं की और चलते बने। उन्होंने कहा कि पुलिस के इस रवैए को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया। बमेंद्र ने कहा कि सड़क हादसे में दुर्घटनाग्रस्त एवं घायलों को अस्पताल पहुंचाना हम सबों की जिम्मेदारी एवं मानव धर्म है।एक तरफ जहां सरकार द्वारा घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर पुरस्कृत किया जाता है वहीं दूसरी तरफ सड़क पर पड़े घायलों को देख पुलिस का न रुकना काफी निंदनीय है।

जन सुराज पार्टी के संगठन विस्तार पर की गई चर्चा

एक करोड़ लोगों से हस्ताक्षर कराकर पार्टी के नेता प्रशांत किशोर मुलाकात करेंगे महामहिम राज्यपाल से : ललन कुमार

मुंगेर।

जन सुराज पार्टी के तत्वाधान में गुरुवार को पूरबसराय स्थित जिला कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेंद्र मंडल तथा संचालन युवा जिला अध्यक्ष राकेश गोप ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में जन सुराज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सेवानिवृत आईएएस अधिकारी ललन कुमार मौजूद थे। बैठक के दौरान पार्टी के संगठनात्मक बदलाव को लेकर चर्चा की गई। जिसमें जिला स्तरीय कमेटी तथा अनुमंडलीय कमेटी का विस्तार करते हुए नव चयनित पदाधिकारी के नाम की घोषणा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के नेतृत्व में बिहार में बदलाव की बयार चल पड़ी है और आम जनता का लगातार इस अभियान के साथ जुड़ाव बढ़ता जा रहा है। वर्तमान राज्य सरकार के द्वारा जो बिहार के आम जनता को भरोसा दिलाया गया था उसे पर राज्य सरकार खड़ी नहीं उतर रही है। बिहार की जनता के साथ छलावा किया जा रहा है। बिहार के सभी जिला स्तरीय, प्रखंड स्तरीय और अंचल स्तरीय कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम सीमा पार है। बिहार में राज्य सरकार द्वारा कराए गए जातीय सर्वेक्षण के आधार पर बीपीएल परिवार को दो-दो लाख रुपए सहायता राशि दिए जाने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा बिहार के भूमिहीन परिवारों को 3 डिसमिल जमीन देने को लेकर जो वायदा किया गया था, उस पर भी सरकार खड़ी नहीं उतरी है। बिहार में भूमि सर्वे के नाम पर बिहार की जनता को आपस में लड़ाने का एक षड्यंत्र किया जा रहा है, जिसमें मंत्री से लेकर अंचल अधिकारी तक के जेब गर्म हो रहे हैं। सरकार के इन वायदा खिलाफी का विरोध करने के उद्देश्य से पार्टी की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाए जा रहे हैं। इस हस्ताक्षर अभियान से बिहार के सभी जिलों से एक करोड़ लोगों के हस्ताक्षर कराए जाने के बाद जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार के राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य शहाब मालिक, रोहित सिन्हा, निरंजन निषाद, प्रदेश युवा महासचिव समीर मधुकर, महिला जिला अध्यक्ष कविता देवी, संगठन जिला अध्यक्ष अनितेश कुमार सिंह, जमालपुर नगर

अध्यक्ष राकेश कुशवाहा, संगठन युवा जिला अध्यक्ष ऋतुराज वसंत, सुबोध तांती, जमालपुर नगर परिषद की उपमुख्य पार्षद महिला नेत्री अंजली कुमारी सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

नागाईन गांव में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव

कई घरों पर चला बुलडोजर, पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के नागाईन गांव में गुरुवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमण हटाने के दौरान पहले तो माहौल सामान्य रहा, लेकिन बाद में हालात बेकाबू हो गए। लोगों ने पथराव कर दिया।जिससे पुलिस की एक निजी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। हालात बिगड़ते देख प्रशासनिक अधिकारी मौके से गाड़ी छोड़कर भाग खड़े हुए। 15 अतिक्रमणकारी घरों पर चला बुलडोजर, कोर्ट स्टे के बाद कार्रवाई रोकनी पड़ी सूत्रों के अनुसार, प्रशासन ने एक सप्ताह पूर्व ही अतिक्रमण हटाने को लेकर नोटिस जारी कर दिया था। इसके बाद गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे पानी टंकी के पास बलि पासवान के घर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद एक-एक कर लगभग 15 घरों पर बुलडोजर चला। स्टे ऑर्डर के बाद भड़का जनाक्रोश जैसे ही बुलडोजर अखिलेश शर्मा के घर तक पहुंचा, उन्होंने और चित्रसेन ओझा ने सीओ को कोर्ट का स्टे ऑर्डर दिखाया। इसके बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई तत्काल रोक दी। इसी बीच स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और पुलिस व प्रशासनिक अमले पर ईंट-पत्थर चलाने लगे। सीओ

समेत पुलिस बल को भागना पड़ा, पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त पथराव के चलते अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीओ अजय कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी जान बचाकर वहां से भागे। पथराव में एक पुलिस गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद जब सीओ अजय कुमार सिंह का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उनका सरकारी मोबाइल नंबर लगातार कॉल करने के बावजूद नहीं उठाया गया। स्थानीय लोगों में नाराजगी, प्रशासन पर पक्षपात का आरोप घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। कई ग्रामीणों ने प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया है और कहा कि बिना पूरी कानूनी प्रक्रिया के ही कार्रवाई की जा रही थी। वहीं जिनका घर तोड़ा गया, वे अपने परिवार समेत खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। नागाईन गांव में प्रशासन की ओर से की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अचानक हालात बिगड़ गए और प्रशासन को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कोर्ट स्टे ऑर्डर, पथराव और अफरा-तफरी के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या प्रशासन ने पूरी तैयारी के साथ यह कदम उठाया था? फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन तनाव अभी भी बरकरार है। थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने बताया कि प्रशासन के द्वारा ले जाई गई एक निजी वाहन को पथराव में क्षतिग्रस्त किया गया है। पथराव में किसी भी पुलिसकर्मी चोटिल नहीं हुए हैं

पैसे मांगने के बहाने देर रात घर में घुसा युवक, जबरन बनाने लगा संबंध,गुस्साई महिला ने काट दिया प्राइवेट पार्ट

बिहारः

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पर एक युवक घर में घुसकर महिला के साथ रेप करने की कोशिश करने लगा। विरोध करते हुए महिला ने उसका प्राइवेट पार्ट काट दिया, जिसके बाद वे लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

गुस्साई महिला ने काट दिया प्राइवेट पार्ट

जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के पारू थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि महिला ने गांव के एक 35 वर्षीय युवक से कर्ज लिया हुआ था। मनचला कर्ज के पैसे मांगने के बहाने बुधवार देर रात महिला के घर में घुस गया और उसके साथ जबरन संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। विरोध करने के बावजूद नहीं रुकने पर गुस्साई महिला ने पास पड़े पहसुल से युवक का प्राइवेट पार्ट काट दिया। आनन-फानन में स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। वहीं, इस संबंध में पारू थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक शिकायत नहीं मिली है। अगर शिकायत मिलती है तो उचित कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक शादीशुदा था, लेकिन दोनों पति-पत्नी अलग रहते हैं।

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

विचार

> चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।

नन्तू बनर्जी

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है। पिछले वित्त वर्ष में चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया। निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत

पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्त्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्त्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है। आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीजएफडीआई (ओएफडीआई)में आधे से अधिक की वृद्धि की। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023-24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। मार्च 2025 में आईआईपी में केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल-अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है। विजुअल कैपिटलिस्ट के अनुसार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 2025 में वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 29 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह वैश्विक विनिर्माण में चीन के महत्वपूर्ण प्रभुत्व को बढ़ाता है, जो संभावित रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों के संयुक्त हिस्से से मेल खाता है या उससे अधिक है। विशेष रूप से, चीन के बारे में अनुमान है कि वह4.8 ट्रिलियन डॉलर का विनिर्माण उत्पादन करता है, जो वैश्विक मूल्य का 29 प्रतिशत है। दो महीने से भी कम समय पहले, भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश अगले दो दशकों में अपने विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 23 प्रतिशत करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देना है। कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में हूवरइंस्टीट्यूशन में बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा था कि-भारत जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा घटक, चिकित्सा उपकरण, बैटरी और चमड़ा और कपड़ा सहित श्रम-गहन उद्योगों जैसे 14 पहचाने गये उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हालांकि, इन उद्योगों में से, सेमीकंडक्टर केवल भारत में एक उभरता उद्योग प्रतीत हो सकता है। संयोग से, वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान स्वरूप लगभग 70 वर्ष पुराना है। पहला व्यावसायिक रूप से उपलब्ध माइक्रोप्रोसेसर, इंटेल 4004, 1971 में जारी किया गया था। भारत को चालू वर्ष के अंत तक विदेशी इक्विटी और तकनीकी नियंत्रण के तहत अपना पहला स्थानीय रूप से उत्पादित सेमीकंडक्टर चिप लॉन्च करने की उम्मीद है। भारत सेमीकंडक्टर का एक प्रमुख आयातक है। इसका स्थानीय अंतिम उपयोग बाजार 2025 में $54 अरब से दोगुना होकर 2030 तक $108 अरब हो जाने का अनुमान है। हाल ही में, सरकार के अत्यधिक उदार निवेश प्रोत्साहनों से घरेलू सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने में विदेशी कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है। हाल ही तक, सरकार देश के औद्योगिक और विनिर्माण आधारों को मजबूत करने के बारे में बहुत लापरवाह दिखी। 2014-15 में भी, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में सत्ता में आयी (26 मई, 2014), तब भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 16.3 प्रतिशत का योगदान दिया था। जबकि सरकार की बहुचर्चित 'मेक-इन-इंडिया' नीति सितंबर 2014 में शुरू की गयी थी, जिससे इसके हिस्से को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, लेकिन बाद में सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान मुख्य रूप से कार्यक्रम के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की कमी और पिछले कुछ वर्षों में अनियंत्रित आयात वृद्धि के कारण कम हो गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश की वार्षिक जीडीपी वृद्धि दर आम तौर पर विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार के विकास को प्रतिबिंबित करने में विफल रही है।

संपादकीय

बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है

निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

गांव से जिनेवा तक: भारत का सामाजिक सुरक्षा मॉडल

प्रो. आरके जैन

भारत की धरती पर एक ऐसी क्रांति जन्म ले रही है, जो न केवल आंकड़ों की किताबों में दर्ज होगी, बल्कि करोड़ों दिलों की धड़कनों में बसेगी। यह कहानी है 94 करोड़ लोगों की, जो आज सामाजिक सुरक्षा के अभेद्य कवच में सांस ले रहे हैं। यह कहानी है उस भारत की, जिसने एक दशक में असंभव को संभव कर दिखाया, विश्व मंच पर सामाजिक सुरक्षा कवरेज में दूसरा स्थान हासिल किया। 2015 में जहां केवल 19% आबादी इस सुरक्षा के दायरे में थी, वहीं 2025 में यह आंकड़ा 64.3% तक पहुंच गया। यह 45% का ऐतिहासिक उछाल केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उस अटल संकल्प का प्रतीक है, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई उस यात्रा का गवाह है, जो "सबका साथ, सबका विकास" को नारा नहीं, बल्कि हकीकत बनाती है। इस क्रांति की नींव उन कल्याणकारी योजनाओं पर टिकी है, जिन्होंने गरीबों, मजदूरों और समाज के हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन को नई रोशनी दी। आयुष्मान भारत ने करोड़ों परिवारों को मुफ्त इलाज का सहारा दिया, तो अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और जन-धन योजना ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और महिलाओं को वह आत्मविश्वास दिया, जो उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की ओर ले जाता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भारत की इस उपलब्धि को न केवल सराहा, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मिसाल के रूप में पेश किया। आईएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हुंगबो ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह विश्व के लिए एक प्रेरणा है।" यह प्रशंसा उस भारत की ताकत

को रेखांकित करती है, जो अपने हर नागरिक को गरिमा और सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिनेवा में आयोजित 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत की इस उपलब्धि को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "यह वृद्धि 'अंत्योदय' के उस सिद्धांत को साकार करती है, जो समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को सशक्त बनाने का वादा करता है।" भारत ने न केवल सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया, बल्कि इसे डिजिटल और पारदर्शी बनाकर एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया। आईएलओ के सहयोग से शुरू किया गया राष्ट्रीय डाटा पूलिंग अभियान इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। यह अभियान न केवल लाभार्थियों की संख्या को ट्रैक करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि योजनाएं विधायी रूप से समर्थित और समयबद्ध हों। भारत 2025 के सामाजिक सुरक्षा डाटा को आईएलओएसटीएट डेटाबेस में अपडेट करने वाला पहला देश बना, जो इसकी डिजिटल प्रणालियों और पारदर्शिता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उस किसान की कहानी है, जो अब आयुष्मान भारत के तहत बिना चिंता के इलाज करवा सकता है। यह उस मजदूर की कहानी है, जिसे अटल पेंशन योजना ने बुढ़ापे में सहारा दिया। यह उस महिला की कहानी है, जो जन-धन खाते के माध्यम से अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रख सकती है। वर्तमान आंकड़े केवल प्रथम चरण को दर्शाते हैं, जिसमें केंद्रीय योजनाओं और आठ राज्यों की महिला-केंद्रित योजनाओं के लाभार्थी शामिल हैं। दूसरे चरण में यह कवरेज 100 करोड़ के आंकड़े को पार करने की ओर अग्रसर है। यह न केवल भारत के लिए, बल्कि विश्व के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जब एक अरब लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होंगे। भारत का यह समावेशी दृष्टिकोण इसे अन्य देशों से अलग करता है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को एक नीति से आगे बढ़ाकर इसे अधिकार-आधारित बनाया है। मांडविया ने आईएलओ महानिदेशक के साथ चर्चा में इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार का विजन समाज के हर वर्ग को सशक्त करना है। "हमारा लक्ष्य केवल आंकड़े बढ़ाना नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है," उन्होंने कहा। यह दृष्टिकोण भारत को एक अनूठा स्थान देता है। जहां कई देश सामाजिक सुरक्षा को केवल एक प्रशासनिक कार्य के रूप में देखते हैं, भारत ने इसे एक राष्ट्रीय मिशन बना दिया है। डिजिटल इंडिया की ताकत ने इस क्रांति को और मजबूत किया है। आधार-लिंक्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल ट्रैकिंग ने यह सुनिश्चित किया कि योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे। कई देश आज भी पारदर्शिता और पहुंच के मुद्दों से जूझ रहे हैं, लेकिन भारत ने डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला। यह पारदर्शिता न केवल योजनाओं की विश्वसनीयता बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करती है। यह यात्रा केवल शुरुआत है। 100 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का लक्ष्य अब बस कुछ कदम दूर है। यह उपलब्धि भारत की नीतियों, नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता की ताकत को दर्शाती है। यह उन अनगिनत चेहरों की मुस्कान की कहानी है, जिनके लिए सामाजिक सुरक्षा ने नई उम्मीदें जगाईं। यह उस भारत की कहानी है, जो विश्व मंच पर न केवल अपनी आर्थिक शक्ति, बल्कि अपनी सामाजिक संवेदनशीलता के लिए जाना जाएगा। यह क्रांति रुकने वाली नहीं है। यह भारत की वह ताकत है, जो हर नागरिक को सशक्त बनाने का वादा करती है। यह एक ऐसे भारत का निर्माण है, जहां कोई भी पीछे न छूटे, जहां हर व्यक्ति का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक हो। यह नया भारत है-एक ऐसा भारत, जो विश्व को दिखा रहा है कि समावेशी विकास का सपना हकीकत बन सकता है। और जब यह सपना 100 करोड़ लोगों तक पहुंचेगा, तो यह न केवल भारत, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक स्वर्णिम अध्याय होगा।

तपिश से बचने के लिये

विजय गर्ग

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा-निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है। निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंध-अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार, बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे तीनों

पलवल . पलवल एसटीएफ के हाथ बड़ी सफलता लगी है। टीम ने कुख्यात नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग के लंबे समय से फरार तीन ईनामी बदमाश- नीरज उर्फ गंजा पुत्र चंदरपाल, सोनू पुत्र कमल निवासीगण फतेहपुर बिल्लौच थाना सदर बल्लभगढ जिला फरीदाबाद व विनीत उर्फ गोलू पुत्र लोकेंद्र निवासी मुकीमपुर मंढैया थाना भोजपुर जिला गाजियाबाद को काबू किया है।

आरोपी नीरज उर्फ गंजा व सोनू पर 10-10 हजार व विनीत उर्फ गोलू पर 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित है। उपरोक्त बदमाश नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग के शूटर हैं। आरोपी नीरज उर्फ गंजा व सोनू मंजीत निवासी डीघल की हत्या में शामिल थे तथा वारदात के बाद से अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग जगह पर छिपकर रह रहे थे जिनको एसटीएफ हरियाणा इकाई पलवल की टीम ने कोलकाता से काबू करने में सफलता प्राप्त की है।

बड़ी वारदात को अंजाम देने वाले थे तीनों

दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी पर छ्त्तक्करोहतक रेंज ने 10-10 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया हुआ है। आरोपी विनीत उर्फ गोलू नीरज फरीदपुरिया-हिमांशु भाऊ गैंग का शूटर है जो हत्या के मुकदमें में सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से चकमा देकर फरार हो गया था जिसकी गिरफ्तारी पर 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित कर रखा था। विनीत उर्फ गोलू उपरोक्त गैंग के हैंडलर नीरज फरीदपुरिया के दिशानिर्देशों के अनुसार गैंग के अन्य सदस्यों नीरज उर्फ गंजा व सोनू के साथ पहचान छिपाकर कोलकाता में रह रहा था। तीनों आरोपी पलवल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने कि फिराक में थे। एसटीएफ की टीम ने तीनों आरोपियों को वारदात को अंजाम देने से पहले ही कोलकाता शहर से काबू करके सफलता हासिल की है।

हरियाणा में महंगी हुई शराब, जानें कितने बढ़े दाम

हरियाणा डेस्क. हरियाणा में शराब के शौकीनों के लिए बुरी खबर आई है। आज से शराब पीने वालों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ेगी। राज्य सरकार की नई आबकारी नीति बुधवार आधी रात से लागू हो गई है, जिसके चलते देसी, अंग्रेजी शराब और बीयर के दामों में बढ़ोतरी की गई है। शराब ठेकों के संचालन समय को भी बदला गया है। गांवों में अक्टूबर तक सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक और नवंबर से मार्च तक सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक ठेके खुलेंगे। शहरों में सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक ठेके खुलेंगे।

इतनी महंगी हुई शराब

देसी शराब- देसी शराब अब 10 से 15 रुपये तक महंगी हो चुकी है। नई नीति के तहत देसी शराब की सभी यूनिट्स पर कीमतें बढ़ा दी गई हैं। अब बोतल रुपये 175 से बढ़कर 190 रुपये हो गई है।

अंग्रेजी शराब- अंग्रेजी शराब की प्रीमियम से डीलक्स तक कीमतों में इजाफा हुआ है। भारत में निर्मित विदेशी शराब के विभिन्न वर्गों में 1.6त्न से लेकर 20त्न तक की बढ़ोतरी की गई है।

बीयर. बीयर की कीमतों में भी 23त्न से 44त्न तक महंगी हुई है। 650 एमएल की बीयर पर कीमतों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। सामान्य बीयर 90 से 130 रुपये की हो गई है। माइल्ड बीयर अब 110 रुपये की जगह 150 रुपये में मिलेगी। स्ट्रॉन्ग बीयर की कीमत में 30 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 160 रुपये में मिलेगी।

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा का डोनाल्ड पर विवादित बयान, बोलीं- ट्रंप का बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना जैसा हाल

यमुनानगर . हरियाणा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां का गुणगान करते समय डोनाल्ड ट्रंप को लेकर विवादित बयान दिया। हरियाणा के यमुनानगर जिले के युवक को अमेरिका में पीटने को लेकर भी उन्होंने कहा कि भारत का विदेश मंत्रालय परिवार के संपर्क में है।

दरअसल, हरियाणा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा आज यमुनानगर बीजेपी दफ्तर पहुंची। रेखा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के बीच रखा। रेखा शर्मा ने डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक बड़ा और विवादित बयान दिया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मध्यस्थता को लेकर कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मध्यस्थता नहीं कराई वह तो बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाने जैसे दिखाई दिए।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और उसके बाद सीजफायर हुआ। रेखा शर्मा ने आगे कहा की डोनाल्ड ट्रंप भी भारत की लीडरशिप और उभरते भारत को देखकर डरने लगा है। वह नहीं चाहता कि भारत अमेरिका के बराबर खड़ा हो इसलिए वह पाकिस्तान के साथ अपने तालुकात बेहतर बनाने में लगा हुआ है। रेखा शर्मा ने अल्पसंख्यकों को लेकर बीजेपी का विजन क्लियर किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष भ्रम फैलाता है कि बीजेपी अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। लेकिन ऐसा नहीं है।अमेरिका में यमुनानगर के युवक की बेरहमी से पिटाई और अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचने पर उन्होंने कहा कि भारत का विदेश मंत्रालय परिवार के संपर्क में है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

चंडीगढ़ . हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा।

गौरतलब है कि हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। इस सिलसिले में उन्होंने बीते सोमवार को विधान सभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और हरियाणा विधान सभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रत्येक व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की थी। इस बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक वाई. एस. गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे थे। इससे पूर्व 5 जून को गुरुग्राम में इस सम्मेलन की तैयारियां को लेकर बैठक की गई थी। इस बैठक में सम्मेलन की व्यवस्था को लेकर बारीकी से चर्चा की गई थी। प्रत्येक व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जा रहे हैं।

सावधान! अब ठगों ने Haryana में CET के नाम से बनाया फर्जी पेज, रजिस्ट्रेशन की डेट बढ़ाने की फैलाई अफवाह

हरियाणा डेस्क . हरियाणा में CET के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रही है। कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) रजिस्ट्रेशन का आज अंतिम दिन है। आज रात 12 बजे तक युवा अप्लाई कर पाएंगे। इसके बाद 14 जून तक कैंडिडेट्स फीस जमा करवा सकते हैं। अब साइबर ठगों ने सीईटी के लिए फर्जी पोर्टल के बाद सोशल मीडिया पर फर्जी पेज बनाने शुरू कर दिए हैं। साथ ही इन पेजों पर अफवाह फैलाई जा रही है कि CET रजिस्ट्रेशन के लिए डेट बढ़ा दी गई है।

हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (HSSC) के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि 50 फर्जी पेज बनाए गए हैं। हमने इसके खिलाफ FIR दर्ज करवा दी है। कमीशन का सोशल मीडिया पर कोई भी ऑफिशियल पेज नहीं है।

वहीं हिम्मत सिंह ने कहा है कि एक अभ्यर्थी द्वारा सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान एक ही समय पर 3 से ज्यादा बार ह्ल्क्ष्क रिक्वेस्ट की गई थी, जिसकी वजह से सॉफ्टवेयर ने इस यूजर को एक घंटे के लिए ब्लॉक कर दिया है। अन्य अभ्यर्थी ध्यान दें कि सीईटी रजिस्ट्रेशन पोर्टल सही तरीके से काम कर रहा।

आग उगलता June, हरियाणा के 9 जिलों में लू का अलर्ट...जानें कब मिलेगी राहत

हरियाणा डेस्क . हरियाणा में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। आधे से ज्यादा जिलों में 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान पहुंच गया है। सूबे में लू चल रही है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने 13 जून यानि कल तक 9 जिलों में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं 14 से 16 जून के बीच धूलभरी हवा और बूंदाबांदी के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार हरियाणा में 3 दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि इसके बाद तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। उधर गुरुग्राम के छ्ठ ने अगले कुछ दिनों तक लोगों को सुबह 11 से शाम 4 बजे तक घरों में रहने की एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकले। अगर आप बाहर निकल रहे हैं तो अपना चेहरा और सिर ढककर ही बाहर जाएं।

सबसे गर्म जिला रहा सिरसा

वहीं हरियाणा के अधिकतम तापमान में बुधवार को 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया है। सबसे गर्म जिला सिरसा रहा।

मेरा पति अभी जिंदा है... सी.एस.सी. संचालक ने बनावा दी महिला की विधवा पैंशन

जींद . नरवाना में सी.एस.सी. संचालक ने पति के जिंदा होने के बाद भी महिला की विधवा पेंशन बनवा दी जबकि महिला का पति बुढ़ापा पैंशन ले रहा था। सी.एस.सी. संचालक ने दम्पति से पैंशन की एवज में 40 हजार रुपए लिए थे। मामले का भंडाफोड़ होने के बाद शहर थाना नरवाना पुलिस ने सी.एस.सी. संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक गांव हरनामपुरा निवासी जसबीर व उसकी पत्नी कांता ने पुलिस को बताया कि वह दोनों अनपढ़ हैं। गांव का ही दीपक फौजी नरवाना में सी.एस.सी. सैंटर चलाता है। वर्ष 2021 में दीपक उनके घर आया और कहा कि वोटर कार्ड के हिसाब से उनकी उम्र 60 साल बन रही है। वह दोनों की बुढ़ापा पैंशन बनवा देगा। जिसके लिए दीपक से उनसे 40 हजार रुपए ले लिए। उनकी पैंशन भी शुरू हो गई। फर्जीवाड़े का भंडा अब उस दौरान फूटा जब आंगनबाड़ी वर्कर ने घर पहुंच कर कांता से उसके पति जसबीर का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा। जिस पर कांता ने कहा कि उसका पति अभी जिंदा है और स्वस्थ्य के साथ बुढ़ापा पैंशन भी ले रहा है। जसबीर व कांता ने आरोप लगाया कि सी.एस.सी. संचालक दीपक ने उन्हें गुमराह करके फर्जीवाड़े को अंजाम दिया है। सदर थाना नरवाना के जांच अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने जसबीर व उसकी पत्नी कांता की शिकायत पर आरोपी सी.एस.सी. संचालक दीपक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिग्विजय ने HAU में छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना को बताया बेहद शर्मनाक, बोले- सरकार कार्रवाई कर दोषियों को दे सजा

चंडीगढ़. जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में सुरक्षाकर्मियों द्वारा छात्रों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज और अभद्रता करने की घटना की कड़ी आलोचना की है। दिग्विजय चौटाला ने घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेकसूर छात्रों पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सरासर दमनकारी नीति अपनाई, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना पर तुरंत एक्शन लें और उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषी अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही छात्रों की आवाज दबाने की बजाय उनकी मांगों को तुरंत सुना जाए और उनका समाधान करवाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम में पुलिस ने कई लोगों पर एफआईआर दर्ज करके केवल खानापूर्ति की है, जिससे पीड़ित छात्र संतुष्ट नहीं है इसलिए घटना के जिम्मेदार सभी अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों पर ठोस कार्रवाई हो। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी पूरी तरह एचएयू के पीड़ित छात्रों के साथ खड़ी है और जेजेपी नेताओं ने मुख्यमंत्री से इस पूरे घटनाक्रम को लेकर तुरंत कदम उठाने की मांग की है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी ने सरकार से मांग की है कि इस पूरी घटना की जांच कम से कम आईजी स्तर के अधिकारी से करवाएं और लाठीचार्ज, धक्के मारने और जानलेवा हमले की घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें। इतना ही सरकार द्वारा इस आंदोलन में छात्रों द्वारा उठाई गई मांगों पर भी विश्वविद्यालय प्रशासन को सकारात्मक रूख अपनाने के निर्देश दिए जाए

जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि मंगलवार दोपहर को एचएयू के छात्र स्कॉलरशिप और अन्य मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से मिलना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने उनकी आवाज सुनने की बजाय सुरक्षाकर्मियों द्वारा बल प्रयोग करवाकर युवाओं पर तानाशाही रवैया अपनाया।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेना तो दूर प्रशासन द्वारा दोबारा देर रात छात्रों के साथ मारपीट करवाई गई, जिसमें अनेक छात्रों को गंभीर चोटें लगी। उन्होंने कहा कि बड़ी शर्म की बात है कि प्रशासन द्वारा स्थिति नियंत्रण करने की बजाय दोबारा देर रात टकराव के हालात पैदा किए गए और छात्रों पर लाठियां चलाकर उन्हें लहूलुहान किया गया।

दिग्विजय ने कहा कि यह युवा छात्रों के उच्च शिक्षा के सपनों को तोड़ने वाला और उन्हें एक बुरे सपने की तरह अनुभव करवाने वाला घटनाक्रम है। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं के समाधान की बजाय छात्रों पर दमनकारी तरीके से लाठियां चलवाना शिक्षा के मंदिर में एक अनहोनी जैसा है, जिसे जानबूझ कर अंजाम दिया गया है।

हरियाणा के इस शहर तक होगा ग्रीन लाइन मेट्रो का विस्तार, यात्रियों को मिलेगी राहत

दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज में इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ एक ग्रीन लाइन का विस्तार किया जाएगा। इस ग्रीन लाइन का निर्माण कार्य 2029 तक पूरा होगा। इससे बहादुरगढ़ से दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

बहादुरगढ़ . दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज में इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ एक ग्रीन लाइन का विस्तार किया जाएगा। इस ग्रीन लाइन का निर्माण कार्य 2029 तक पूरा होगा।

इससे बहादुरगढ़ से दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने इसके डिजाइन और निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किया है।

DMRC के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो के चौथे फेस के तहत इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक 12.3 किलोमीटर तक विस्तार किया जाएगा।

इस रूट पर 10 नए मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें लाजपत नगर से साकेत त्न-ब्लॉक का विस्तार 8 किलोमीटर लंबा भाग अब गोल्डन लाइन का हिस्सा बनेगा। इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक ग्रीन लाइन के विस्तार से हरियाणा के लोगों को भी फायदा होगा। इस लाइन से बहादुरगढ़ से यात्री ग्रीनलाइन के जरिए इंद्रप्रस्थ से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों तक पहुंच सकेंगे।

पानीपत में 3 मकानों पर चलाई गोलियां, एक ही एंगल में की फायरिंग, पुलिस जांच में खुला बेहद चौकाने वाला राज

पानीपत .पानीपत शहर में बीती रात 3 अलग-अलग मकानों पर गोलियां चलाई गईं। घटना का पता गुरुवार सुबह तब चला, जब स्थानीय लोगों ने गोलियों के खोल और मकानों को हुए नुकसान को देखा। लोगों ने रात को गोलियां चलने की आवाज भी सुनी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फायरिंग का एक ही एंगल है और जहां से गोलियां चलाने का शक है, वहां मकान में 4 कपल लिव इन में रहते हैं।

पुलिस और स्नस्रु की टीमों ने संयुक्त जांच में पाया कि तीनों मकानों पर एक ही एंगल से गोलियां चलाई गई हैं, जो एक महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है। दोनों टीमों ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। घटना की जांच के लिए पुलिस की कई टीमें अलग अलग एंगल पर काम कर रही हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस जल्द ही इस रहस्यमय घटना का खुलासा करने का दावा कर रही है।

पहले एक जगह गोली चलने की थी सूचना

मिली जानकारी के अनुसार शहर के न्यू मॉडल टाउन में ये वारदात हुई है। सुबह पुलिस को स्थानीय निवासी कुलदीप ने गोली चलने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जब पुलिस ने स्नस्रुटीम के साथ मौके पर जांच-पड़ताल करनी शुरू की, तो मौके से एक खाली खोल बरामद हुआ। मामले की जांच करते हुए पुलिस को पता लगा कि एक नहीं, बल्कि तीन जगहों पर गोलियां चली है। पुलिस ने मौके से कई बुलेट भी बरामद किए है

जांच में सामने आया कि एक खाली प्लॉट में खड़ी कुलदीप की गाड़ी में गोली लगने से शीशा टूटा है। वहां से पुलिस ने सबसे पहले खोल बरामद किया। इसके बाद वहीं, पड़ोस में देखा कि प्रवीन के मकान के शीशे भी टूटे हुए थे। जहां भी जांच-पड़ताल कर पुलिस ने खोल बरामद किया। इनके अलावा स्थानीय निवासी अवतार के मकान की छत पर रखी पानी की टंकी में भी गोली लगी है, जिससे वहां भी नुकसान हुआ है। पुलिस ने वहां से भी चला हुआ कारतूस बरामद किया है।

गोलियों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

टीमों ने मौके पर सभी गोलियां चलने की लोकेशन और एंगल को जांचा। जांच में सामने आया कि ये गोलियां होमगार्ड लाइसेंस ट्रेनिंग के दौरान इस्तेमाल होनी वाली बंदूक की गोलियां हैं।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, शुक्रवार से गर्मी से मिलेगी थोड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी इसी तरह के मौसम की उम्मीद जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। गुरुवार तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना के साथ गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के बुधवार दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी और तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भीषण गर्मी के साथ ही राजधानी में हवा में नमी की मात्रा सुबह के समय 39 प्रतिशत रही। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा असहनीय हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 12-16 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा 12-14 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को मसूरी में प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षणरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 19 राज्यों से प्रोन्नत 97 अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को सुबह पौने दस बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे और इसके बाद 11 बजकर 30 मिनट पर मसूरी पहुंचेंगे। लोकसभा अध्यक्ष उसी दिन दिल्ली वापस लौट जाएंगे। गौरतलब है कि मसूरी स्थित प्रशासनिक अकादमी में 127 वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में 19 राज्यों की सेवाओं से प्रोन्नत 97 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 73 पुरुष अधिकारी और 24 महिला अधिकारी हैं। यह कार्यक्रम 'विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय दृष्टि और 'मिशन कर्मयोगी' के रूपांतरणीय लक्ष्यों से प्रेरित होकर अधिकारियों को राज्य-स्तरीय प्रशासनिक भूमिकाओं से राष्ट्रीय-स्तर की नेतृत्वकारी जिम्मेदारियों में सुगम रूपांतरण के एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य नीति निर्माण, अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और संस्थागत नेतृत्व के लिए नैतिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवकों का निर्माण करना है।

एनसीसी कैडेट्स ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट किया फतह, रक्षा राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के एक दल ने विश्व की सबसे ऊंची पर्वत की चोटी माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह किया है। पर्वतारोहण के क्षेत्र में यह शानदार उपलब्धि हासिल करने वाले इन युवाओं ने ऐसा करके विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। बुधवार को भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने माउंट एवरेस्ट अभियान के विजेताओं से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के अवसर पर कैडेट्स ने रक्षा राज्य मंत्री के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय कैडेट कोर के इस दल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई अभियान की योजना, प्रशिक्षण तथा चढ़ाई के दौरान आई चुनौतियों के बारे में रक्षा राज्यमंत्री को विस्तार से बताया। रक्षा राज्य मंत्री ने कैडेट्स के साहस, समर्पण और टीम भावना की सराहना की तथा उनके अद्भुत कार्य के लिए बधाई दी। यह उपलब्धि एनसीसी का अब तक का तीसरा सफल एवरेस्ट अभियान है। इससे पहले 2013 और 2016 में भी ऐसे अभियान सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इस बार के अभियान दल में कुल 10 कैडेट्स शामिल थे। इनमें 5 लड़के और 5 लड़कियां थीं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली इस टीम की औसत उम्र मात्र 19 वर्ष थी। इतना ही नहीं, इनमें से कई तो नवशिक्षित पर्वतारोही भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा।

यूएई ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर समर्थन दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करने की सराहना की है।यूएई ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मंगलवार 10 जून को आबू धाबी की यात्रा के दौरान यह रुख दोहराया। यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाह्यान के बीच गत वर्ष 13 दिसंबर को नयी दिल्ली में आयोजित 15वीं संयुक्त आयोग बैठक के बाद हुई है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव श्री मिस्री ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करने के लिए यूएई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिम के साथ

द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में चर्चा व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संस्कृति, रक्षा, प्रौद्योगिकी, कांसुलर मामलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी के दायरे को बढ़ाने पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने आपसी हितों को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद यूएई नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और एकजुटता की सराहना की। विदेश सचिव ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान से मुलाकात की और यूएई में रह रहे 43 लाख भारतीयों की देखभाल के लिए शेख नाह्यान को धन्यवाद दिया, जिन्होंने यूएई को अपना दूसरा घर बना लिया है। विदेश सचिव ने यूएई संघीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और परिषद में रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष और आबू धाबी स्थित चरमपंथ और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, हेदयाह के अंतर्राष्ट्रीय संचालन बोर्ड के अध्यक्ष अली राशिद अल नूमी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चाओं में सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से लड़ने के लिए दोनों देशों के साझा दृढ़ संकल्प की पुष्टि करने का एक और अवसर मिला।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा है : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने लिखा, ÷ये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है। रेलवे से लेकर राजमार्गों,

बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा इंफ्रा नेटवर्क 'जीवन को आसान बनाने' और समृद्धि को बढ़ाने में मदद कर रहा है। उन्होंने लिखा, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए : सीजेआई गवई

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी. आर. गवई ने कहा कि भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्व अवश्य है, लेकिन न्यायपालिका को उन सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए, जहां उसका हस्तक्षेप अनुचित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। सीजेआई गवई ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, ÷कभी-कभी न्यायपालिका अपनी सीमाएं पार करने की कोशिश करती है और उन क्षेत्रों में प्रवेश कर जाती है, जहां सामान्यतः उसे नहीं जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि विधायिका या कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में विफल रहती है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। लेकिन, न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति का प्रयोग बहुत ही सीमित और अपवाद स्वरूप

मामलों में किया जाना चाहिए। सीजेआई गवई ने कहा, जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध हो या मौलिक अधिकारों से सीधे टकराता हो या फिर यदि कोई कानून स्पष्ट रूप से मनमाना और भेदभावपूर्ण हो, तो न्यायालय इसमें हस्तक्षेप कर सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी है। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने यह संभव बनाया है कि अनुसूचित जाति से आने वाला एक व्यक्ति, जिसे ऐतिहासिक रूप से 'अस्पृश्य' कहा जाता था, आज देश की सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठकर ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित कर रहा है। सीजेआई ने भारतीय संविधान को स्याही में उकेरी गई एक शांत क्रांति करार दिया और कहा कि इसमें समाज के उन वर्गों की धड़कनें हैं, जिन्हें कभी सुना नहीं गया। उन्होंने कहा, संविधान केवल अधिकारों की रक्षा करने को नहीं कहता, बल्कि सक्रिय रूप से आगे बढ़ने, सशक्त करने और सुधारने के लिए भी बाध्य करता है।

पीएम मोदी का 11 साल का कार्यकाल बदली हुई सरकार नहीं, बदले युग का प्रतीकः सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी आगरा पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सरेंडर वाले विवादित बयान पर पलटवार भी किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार के 11 साल पूरे हुए। यह कार्यकाल बदली देश में बदली हुई सरकार नहीं बल्कि बदले हुए युग का प्रतीक है। इस कार्यकाल में हमारे देश की समृद्धि, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव चारों आयामों में पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा, विकास क्षेत्र की बात करें तो 34 किलोमीटर प्रतिदिन नेशनल हाइवे का निर्माण हो रहा है। रेलवे रूट का पूरी तरह से विद्युतीकरण हो गया है। एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी से अधिक हुई है। 23 एम्स हो गए हैं। आठ नई आईआईटी और सात नए आईआईएम बने हैं। 490 से अधिक विश्वविद्यालय बने हैं। करीब 325 नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। उन्होंने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर भी पलटवार किया। त्रिवेदी ने कहा, अभी तक कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तान की मीडिया, पाकिस्तान की सोशल मीडिया, पाकिस्तानी संसद, पाकिस्तानी मिलिट्री ब्रीफिंग की सुर्खियां बन रहे थे, मगर जो बयान राहुल गांधी

ने दिया है, वो पाकिस्तान के आर्मी चीफ, रक्षा मंत्री ने नहीं बोला। यहां तक कि किसी आतंकी संगठन या आतंकवादियों ने भी ऐसा नहीं कहा। मसूद अजहर, हाफिज सईद ने भी नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी पाकिस्तान की मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए हाफिज से भी बड़े मुहाफिज बनने की कोशिश कर रहे हैं और दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि वह नेता प्रतिपक्ष के पद को धारण करने की योग्यता और परिपक्वता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं।

भारत ने 11 साल में पार किए कई मील के पत्थर : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 11 वर्षों में हासिल किए गए विकासात्मक मील के पत्थरों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया।भाजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में मीडिया के सामने एक घंटे तक प्रस्तुति दी। इस बात पर जोर देते हुए कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता संभालने से पहले ऐसी प्रगति कभी नहीं देखी गई थी। इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख सहित विभिन्न प्रवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि पिछले 11

वर्षों में सरकार ने न केवल आर्थिक परिवर्तन की दिशा में काम किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी काम किया है और देश की सुरक्षा में सुधार किया है। सड़क और रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया है, साथ ही पूर्ण विद्युतीकरण किया है, जो सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक आसान पहुंच स्थापित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रोजगार संबंधी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये रोजगार सृजन में वृद्धि और कर्मचारियों के लाभों के बारे में जागरूकता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही मोदी सरकार ने चिनाब ब्रिज, अटल टनल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जो भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस विकलांगों, ट्रांसजेंडरों और दलित, आदिवासी एवं पिछड़े समूहों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों का सशक्तिकरण रहा है। स्वच्छ जल, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का विस्तार लाखों घरों तक किया गया है। हरित ऊर्जा में भारत के नेतृत्व को भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया जिसमें मंत्रालय ने कहा कि भारत स्थिरता में नए वैश्विक मानक स्थापित करना जारी रखता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नेताओं की प्रशंसा प्राप्त होती है। श्री वैष्णव ने कहा कि जब भारत अपनी पहली स्वतंत्र मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहा है और चंद्रमा और उससे आगे की ओर देख रहा है, तो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सरकार का निवेश वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करता है। अंत्योदय के सिद्धांत से निर्देशित होकर, सरकार ने सभी कल्याणकारी योजनाओं में 100 प्रतिशत संतृप्ति के लिए प्रयास किया है। आवास से लेकर स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक, पहले से सेवा प्राप्त लाखों वंचित परिवारों के पास अब बुनियादी सेवाओं तक पहुंच है।

प्राइवेट स्कूलों के पक्ष में और अभिभावकों के खिलाफ है भाजपा सरकार का कदम : सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर प्राइवेट स्कूलों के हित में काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी को लेकर बनाए गए अध्यादेश से स्पष्ट होता है कि सरकार पूरी तरह से स्कूल प्रबंधन के दबाव में काम कर रही है और यह अध्यादेश राजधानी के मिडिल क्लास अभिभावकों के खिलाफ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही प्राइवेट स्कूलों ने यूनिफॉर्म, किताबों और स्टेशनरी के नाम पर मनमाने तरीके से फीस बढ़ा दी। अब तक का नियम था कि फीस बढ़ाने से पहले शिक्षा विभाग से अनुमति लेनी होती थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे नजरअंदाज कर स्कूलों की मनमानी पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि उल्टा सरकार ने प्राइवेट स्कूलों के समर्थन में एक ऐसा अध्यादेश तैयार किया है जो

सीधे तौर पर अभिभावकों के हितों के खिलाफ है। इस अध्यादेश को न तो विधानसभा में प्रस्तुत किया गया और न ही इसकी जानकारी किसी सार्वजनिक माध्यम से साझा की गई। यह अध्यादेश चोरी-छिपे बनाया गया और अब भाजपा सरकार इसे उपराज्यपाल के जरिए राष्ट्रपति के पास भेजने की तैयारी में है ताकि इसे कानून का रूप दिया जा सके।

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो भारत दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यात्रा के पहले दिन की शुरुआत नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई।? इसके बाद उन्होंने उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि?, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की।? उनकी इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने के साथ साझेदारी के नए रास्ते तलाशना है। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस समारोह में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद कई उच्च स्तरीय बैठकें हुईं। इसकी शुरुआत भारतीय सेना के

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के साथ गहन बातचीत से हुई। दोनों सैन्य अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के पहलुओं सहित व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो को ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आपसी हितों के मामलों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।?

जितेंद्र सिंह ने नार्वे की मत्स्य पालन एवं महासागर नीति मामलों की मंत्री के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नीस (फ्रांस) में नॉर्वे की मत्स्य पालन और महासागर नीति मंत्री मैरिएन सिवर्टसन नेस के साथ स्वस्थ मछली उद्योग, समुद्री संसाधन प्रबंधन, और मसुद्री अर्थव्यवस्था के व्यापक ढांचे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की ।डॉ सिंह नीस में 09 से 13 जून तक आयोजित तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (यूएनओसी 3) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से आज यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाद में दोनों मंत्रियों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यूएनओसी 3 के दौरान आयोजित द्विपक्षीय बैठक में टिकाऊ महासागर शासन और मत्स्य पालन पर सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने समुद्री शासन में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को दर्शाया गया। चर्चा में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग, बेहतर डेटा साझाकरण तंत्र और अत्यधिक मछली पकड़ने और समुद्री प्रदूषण

जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों जैसी साझा प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया। दोनों पक्षों ने सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान के संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को स्वीकार किया, जिसमें ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी साझाकरण पर जोर दिया गया है।

बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदली गई, चार अधिकारी निलंबित : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदल दी गई। इसके अलावा जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने आज नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों के लिए अब अगरतला से एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी, जिसमें उनकी सुविधा और सम्मान का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि छह जून को बीएसएफ के 1200 जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। जवानों के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन की खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही थीं और ऊपर से कोई बर्थ नहीं थी। ट्रेन में कॉकरोच दिखाई दे रहे थे। शौचालय का बुरा हाल था। इसके बाद बीएसएफ ने इस मामले को भारतीय

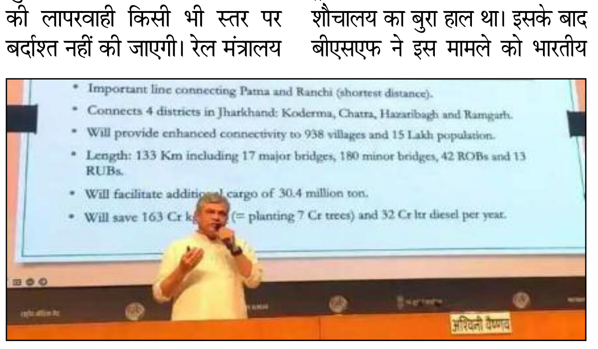

रेलवे के समक्ष उठाया, जिसने बेहतर स्थिति में एक नई ट्रेन भेजी। अब दूसरी ट्रेन अगरतला से चलेगी, जो विशेष ट्रेन के रूप में जवानों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। इस बार यह तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार समिति का ऐलान, डीयू-डीएसई के चार सदस्यों को मिली जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) से जुड़े चार लोगों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) में शामिल किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए इसे गौरव का क्षण बताया है। कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि डीयू और डीएसई के लिए यह गौरव का क्षण है। ये प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री देश की आर्थिक नीतियों के निर्माण में अहम योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स परिवार के चारों सदस्य भारतीय अर्थव्यवस्था का व्यापक और विविध ज्ञान रखते हैं। वहीं, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के नवनियुक्त चेयरमैन प्रोफेसर एस. महेंद्र देव डीएसई के पूर्व छात्र हैं। उनके साथ ही डीएसई की पूर्व निदेशक प्रोफेसर पम्मी दुआ को भी ईएसी-पीएम का सदस्य नियुक्त किया गया है। डीएसई की पूर्व विद्यार्थी डॉ. शमिका रवि को ईएसी-पीएम का पूर्णकालिक सदस्य और डीएसई के पूर्व विद्यार्थी प्रोफेसर चेतन घाटे को सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्होंने डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारी नई पहलों और गतिविधियों के लिए उनका निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन बना रहता है। यही कारण है कि डीयू-डीएसई परिवार के सदस्य राष्ट्र निर्माण में अपना भरपूर सहयोग दे रहे हैं। बता दें कि भाजपा नेता प्रोफेसर गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया था। कैबिनेट सचिवालय की ओर से 4 जून को जारी आदेश में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। परिषद का कार्यकाल दो वर्ष या अगले आदेश तक रहेगा। आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र संस्था है, जो सरकार खासकर प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों पर सलाह देती है। यह सलाह परिषद अपनी ओर से या प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए किसी विषय पर हो सकती है।

UPI फेक या रियल अब हर ट्रांजैक्शन पर रखेगा SEBI नजर, नहीं होगी धोखाधड़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अब लेन-देन और ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगा. बाजार नियामक सेबी (SEBI) ने Valid UPI नाम से एक नया और यूनिक पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया है, जो 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा. इस सिस्टम के जरिए निवेशक अब केवल सेबी से रजिस्टर्ड ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, रिसर्च एनालिस्ट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर को ही भुगतान कर सकेंगे.

क्या है Valid UPI सिस्टम?

इस नई व्यवस्था के तहत हर रजिस्टर्ड ब्रोकर या मार्केट इंटरमीडियरी को एक विशेष PI ID दी जाएगी, जिसमें ञ्च1ड्डद्बस्त्र हैंडल होगा. इस ढ्ढष्ठ पर एक ग्रीन थम्ब्स-अप का चिन्ह भी दिखेगा, जो यह पुष्टि करेगा कि संबंधित संस्था सेबी द्वारा अधिकृत है. इससे निवेशकों को यह पहचानने में आसानी होगी कि उनका पैसा सही और प्रमाणिक संस्था को जा रहा है या नहीं.

धोखाधड़ी से बचाएगा Valid

सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि, हम UPI इकोसिस्टम में ऐसा मैकेनिज्म ला रहे हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि कोई UPI एड्रेस असली है या नहीं. सेबी का मानना है कि इससे फर्जी संस्थाओं के जाल में फंसने की आशंका घटेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा. यह सिस्टम NPCI, बैंकों और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है.

SEBI Check से करें वेरिफिकेशन

इसके साथ ही सेबी ने SEBI Check नामक एक अतिरिक्त सुविधा भी शुरू की है, जिसके जरिए निवेशक किसी भी ब्रोकर या संस्थान की UPI ढ्ढष्ठ की वैधता त्तक्रकोड स्कैन करके या ID डालकर जांच सकते हैं.

क्ष्ठ के ज़रिए मार्केट लेनदेन की सीमा ?5 लाख प्रतिदिन तय की गई है.निवेशक केवल सेबी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही भुगतान कर पाएंगे.

पूरी प्रक्रिया तेज़, पारदर्शी और सुरक्षित होगी.

सेबी का यह नया Valid सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है. इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी.

6 साल के निचले स्तर पर आ सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। भारत की खुदरा महंगाई दर मई महीने में घटकर 3.0त्न तक पहुंच सकती है, जो अप्रैल के 3.2त्न से कम है। अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो खुदरा महंगाई पिछले छह वर्षों के सबसे निचले पर पहुंच जाएगी। मिंट के सर्वे में यह अनुमान जताया गया है। खुदरा मुद्रास्फीति के आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को जारी होंगे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 में घटकर 3.16त्न रह गई, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। मार्च में यह 3.34त्न थी। यह आंकड़ा आरबीआई के 4त्न (±w%) लक्ष्य से भी कम है और लगातार तीसरे महीने ऐसा हुआ है।

खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं- सब्जियों, फलों, दालों और प्रोटीन वाले सामान की कीमतें घटीं। खाद्य महंगाई दर अप्रैल में 1.78त्न रही, जो पिछले साल इसी महीने 8.7त्न थी। गर्मी के बावजूद रबी की फसल अच्छी हुई। इस साल मानसून भी बेहतर रहने का अनुमान है।मिंट के सर्वे में शामिल 15 अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, चूंकि खाद्य पदार्थ महंगाई की गणना में 40त्न हिस्सा रखते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में बदलाव का असर सीधे महंगाई दर पर पड़ता है। वहीं, सर्वे में यह भी कहा गया है कि समग्र महंगाई दर के लगातार चौथे महीने 4त्न से नीचे रहने के बावजूद कोर मुद्रास्फीति (जो खाद्य, ईंधन और बिजली को छोड़कर गणना की जाती है) अप्रैल के 4.13त्न से थोड़ी बढ़ सकती है। फिर भी, अर्थशास्त्री इसे महंगाई के लिए बड़ा खतरा नहीं मानते।

आगे ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम

महंगाई में तेज गिरावट को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो रेट में .50 प्रतिशत की कटौती की थी, जबकि विशेषज्ञों को केवल .25 फीसदी की कटौती की उम्मीद थी। आरबीआई ने यह भी संकेत दिया है कि साल के अंत तक महंगाई चार फीसदी से नीचे रहेगी लेकिन ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश कम है। मौद्रिक नीति समिति ने कहा है कि फरवरी 2025 से लगातार रेपो दर में एक फीसदी की कटौती के बाद और राहत की गुंजाइश सीमित है।

भविष्य का अनुमान

आरबीआई को उम्मीद है कि 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4त्न रहेगी, जो तिमाही के हिसाब से कुछ इस तरह रह सकती है...

प्रैल-जून (पहली तिमाही): 3.6%
जुलाई-सितंबर (दूसरी तिमाही): 3.9%
अक्टूबर-दिसंबर (तीसरी तिमाही): 3.8%
जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही): 4.4%

आरबीआई सतर्क

आरबीआई का कहना है कि भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद, वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा।

अब हर किसी को मिल सकेगा तत्काल टिकट, एजेंटों की बढ़ेगी मुश्किल, आम जनता के लिए पहला 30 मिनट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए तत्काल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है. अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही पहले 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए आरक्षित रहेंगे. इस दौरान किसी भी अधिकृत एजेंट या थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म को टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी. यह फैसला रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और एजेंटों की मनमानी रोकने के उद्देश्य से लिया है.

अब तक देखा गया है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बुक हो जाते थे, जिनमें बड़ी संख्या में टिकट एजेंटों के द्वारा ब्लॉक कर लिए जाते थे. इससे आम यात्री वंचित रह जाते थे और उन्हें अधिक पैसे देकर एजेंटों से टिकट खरीदने पड़ते थे. रेलवे के इस नए नियम से अब आम लोगों को प्राथमिकता मिलेगी और उन्हें टिकट बुक करने का उचित मौका मिलेगा.

कैसे काम करेगी रेलवे की नई व्यवस्था

रेलवे ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत सुबह 10 बजे एसी कोटा और 11 बजे स्लीपर कोटा की तत्काल बुकिंग जब शुरू होती है, तो शुरुआती 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए होंगे. इसके बाद ही एजेंट या बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर टिकट बुक कर सकेंगे.

AI चैटबॉट रखेगा टिकट बुकिंग पर नजर

इसके अलावा रेलवे ने डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है. अब टिकट बुकिंग प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी रखी जाएगी, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बॉट के जरिए बुकिंग को तुरंत पहचान लेगा और उस पर कार्रवाई करेगा.यह कदम रेलवे की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्राहक केंद्रित नीतियों का हिस्सा है. इससे न केवल बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि एजेंटों के माध्यम से टिकट ब्लैकिंग और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा. रेलवे के इस निर्णय का स्वागत यात्रियों द्वारा किया जा रहा है. यह आम जनता को टिकट बुकिंग में बराबरी का मौका देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है. उम्मीद की जा रही है कि इससे यात्रियों की असुविधा कम होगी और एजेंटों की पकड़ ढीली पड़ेगी.

सस्ता हो गया होम और कार लोन, इन तीन बैंकों ने दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पिछले सप्?ताह रेपो रेट में 0.5 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया था. साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में भी 1 प्रतिशत की कटौती आरबीआई ने कर दी थी. रेपो रेट में कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अब लोन पर ब्याज दरों में कमी करना शुरू कर दिया है. तीन सरकारी बैंकों, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने लोन की ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा कर दी है. विशेषज्ञों के अनुसार, बैंकों के इस कदम से होम, ऑटो, व्यक्तिगत और एमएसएमई लोन लेने वालों को राहत मिलेगी, जिससे आम लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम हो सकेगा.

इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने भी अपनी ऋलक्र में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी. वहीं, प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी कोष की सीमांत लागत आधारित उधार दर (MCLR) में विभिन्न अवधियों के लिए 0.10 प्रतिशत तक की कटौती की है. इससे उन ग्राहकों को फायदा मिलेगा जिनके ऋ्रण MCLR से जुड़े हैं.यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (EBLR) और रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है. बैंक ने बताया कि यह फैसला आरबीआई की रेपो दर में कटौती के अनुपालन में लिया गया है. इससे बैंक से जुड़े उपभोक्ताओं को अब सस्ती दरों पर कर्ज मिल सकेगा.

क्या है ये लिक्विड गोल्ड यूएई, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से क्यों बढ़ गया है इसका इपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में वर्षों से सोने की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसमें सोने को शरीर या सामान में छिपाकर सीमा शुल्क से बचा कर लाया जाता था. लेकिन अब चतुर आयातकों ने बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए सोना भारत लाने का तरीका खोज लिया है. ये लोग 'लिक्विड गोल्ड ' यानी सोने के रासायनिक यौगिकों के रूप में बिना कोई कस्टम ड्यूटी दिए ही बड़ी मात्रा में सोना देश में ला रहे हैं. 'लिक्विड गोल?ड ' में सोने को अन्य रासायनिक तत्वों के साथ मिलाकर यौगिक बनाया जाता है, जिनका इस्तेमाल मुख्यत उद्योगों में होता है. इसे भारत की उन साझेदार देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मंगाया जाता है, जिनसे भारत की मुक्त व्यापार संधि है. इन संधियों के तहत ऐसे यौगिकों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगता, जबकि सामान्य सोने पर 6त्न तक का शुल्क चुकाना पड़ता है.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में तरल सोने के आयात में जबरदस्त उछाल आया है. वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCIS) के अनुसार, इस दौरान देश में 69,879 किलोग्राम लिक्विड गोल्ड आयात हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 9.25 गुना और पिछली तिमाही की तुलना में 2.84 गुना अधिक है. इसका कुल मूल्य लगभग 1.29 अरब डॉलर आंका गया है. FY21 में लिक्विड गोल्ड का आयात केवल 2,143 किलोग्राम था, जो FY25 में बढ़कर 1,27,886 किलोग्राम तक पहुंच गया है. बजट 2025 में किए गए नीतिगत बदलावों के बाद इसमें और तेजी देखी गई है.टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लिक्विड गोल्ड के मुकाबले पारंपरिक रूप से आयात किए गए सोने की मात्रा में 51.2त्न की गिरावट दर्ज की गई है और यह 9.5 अरब डॉलर पर सिमट गया है. इससे स्पष्ट है कि तरल सोने के जरिए आयातकों ने कस्टम ड्यूटी से बचने का आसान रास्ता अपनाया है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है.

अनिल अंबानी की बहुत बड़ी जीत, MMRDA देगा 1,169 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अनिल अंबानी को लेकर एक बड़ी राहतभरी खबर आ रही है. मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (MMOPL) के पक्ष में फैसला सुनाया है, जो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की एक सब्सिडियरी कंपनी है. कोर्ट ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) को आदेश दिया है कि वह MMOPL को ?1,169 करोड़ का भुगतान करे.

क्या है मामला?

यह विवाद मुंबई मेट्रो लाइन 1 (वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर) को लेकर था, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर बनाया गया था. इस प्रोजेक्ट को MMOPL द्वारा विकसित और संचालित किया गया था, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी हिस्सेदारी है. स्ररूक्रष्ठ और रिलायंस ग्रुप के बीच परियोजना की लागत और भुगतान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था.MMOPL ने दावा किया था कि

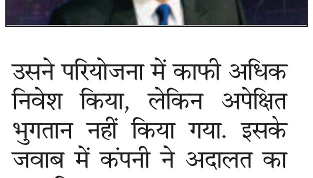

उसने परियोजना में काफी अधिक निवेश किया, लेकिन अपेक्षित भुगतान नहीं किया गया. इसके जवाब में कंपनी ने अदालत का रुख किया.

कोर्ट का आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने MMOPL के दावों को सही ठहराते हुए MMRDA को ?1,169 करोड़ का भुगतान करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह भुगतान कानूनी और संविदात्मक शर्तों के अनुसार जायज है.

अनिल अंबानी के लिए बड़ी जीत

यह आदेश अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जो पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है. इस फैसले से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है. एमएमओपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएमआरडीए के बीच एक जॉइंट वेंचर है. यह वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर कॉरिडोर पर मुंबई की पहली मेट्रो लाइन का संचालन करता है.

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी स्वामित्व एमएमआरडीए के पास है.अनिल अंबानी का कमबैक

अनिल अंबानी की कारोबारी गिरावट काफी फ़िल्मी रही है.

अब AT से निकाल सकेंगे PF का पैसा, जून में शुरु होगी सुविधा, जानिए पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में सैलरी का रोल बड़ा होता है. इसी से घर का खर्च चलता है, बच्चों की फीस भरी जाती है, और भविष्य के लिए कुछ बचत भी होती है. बात जब भविष्य की बचत की आती है, तो सरकार ने इसके लिए एक सॉलिड सिस्टम बनाया है — कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, यानी EPFO. ये वो संस्था है जो नौकरी करने वालों के लिए PF अकाउंट खोलती है, जिसमें हर महीने उनकी सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है. अब यही EPFO अपने करोड़ों मेंबर्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहा है. जल्द ही आप अपने PF के पैसे को ATM से निकाल पाएंगे, वो भी बिना किसी झंझट के.EPFO इस महीने, यानी जून 2025 में, अपना नया डिजिटल प्लेटफॉर्म EPFO 3.0 लॉन्च करने जा रहा है. इस नए सिस्टम के तहत PF खाताधारकों को

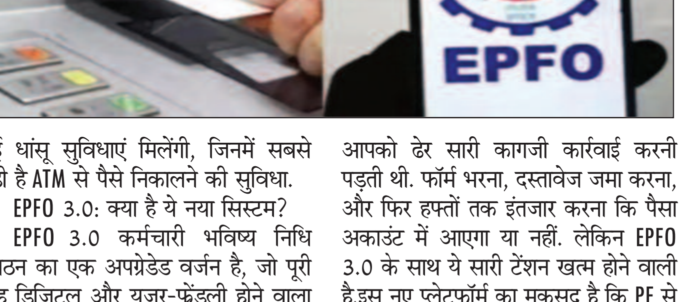

कई धांसू सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें सबसे बड़ी है ATM से पैसे निकालने की सुविधा.

EPFO 3.0: क्या है ये नया सिस्टम?

EPFO 3.0 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का एक अपग्रेडेड वर्जन है, जो पूरी तरह डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली होने वाला है. अभी तक PF का पैसा निकालने के लिए आपको ढेर सारी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी. फॉर्म भरना, दस्तावेज जमा करना, और फिर हफ्तों तक इंतजार करना कि पैसा अकाउंट में आएगा या नहीं. लेकिन EPFO 3.0 के साथ ये सारी टेंशन खत्म होने वाली है.इस नए प्लेटफॉर्म का मकसद है कि PF से जुड़ी हर प्रक्रिया को इतना आसान कर दिया जाए कि आप घर बैठे, या फिर ्रञ्जरू पर जाकर, अपने पैसे निकाल सकें. ये सिस्टम एक हाई-टेक ढ्ढञ्ज प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है, जो न सिर्फ तेज है, बल्कि ट्रांसपेरेंट भी है. यानी, आपको हर स्टेप की जानकारी मिलेगी, और कोई भी गड़बड़ी होने की गुंजाइश कम होगी.

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि EPFO 3.0 मई या जून 2025 में लॉन्च होगा और अब, जून आ चुका है, तो खबरें हैं कि ये सुविधा किसी भी दिन शुरू हो सकती है. इसका सबसे बड़ा फायदा उन 9 करोड़ से ज्यादा EPF मेंबर्स को मिलेगा, जो अपने रिटायरमेंट फंड को आसानी से एक्सेस करना चाहते हैं.

ATM से PF निकालने का प्रोसेस

अब सवाल ये है कि आखिर आप अपने PF का पैस से कैसे निकाल पाएंगे? क्या इसके लिए कोई स्पेशल कार्ड मिलेगा? या फिर कोई और प्रोसेस फॉलो करना होगा? चलिए, इसे आसान भाषा में समझते हैं।

1- UAN को करना होगा बैंक से लिंक: ATM से पीएफ निकालने के लिए आपका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) एक्टिवेटेड होना जरूरी है. इसके. साथ ही आपके बैंक अकाउंट और आधार का लिंक होना बेहद जरूरी है. इसके लिए आखिरी तारीख 30 जून तय की गई है2- ATM पर जाएं- सब कुछ लिंक होने के बाद आपको किसी भी ्रञ्जरूपर जाना होगा। वहां इस कार्ड को डालकर आप अपने PF अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं.

3- निकासी की लिमिट- शुरुआत में आप अपने PF अकाउंट में जमा कुल राशि का 50त्न तक निकाल सकेंगे। यानी, अगर आपके अकाउंट में 10 लाख रुपये हैं, तो आप 5 लाख तक निकाल सकते हैं.

ईरान या इजराइल किससे भारत लेता और देता है सबसे ज्यादा सामान हर साल होता है अरबों का कारोबार

नई दिल्ली। ईरान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और मिडिल ईस्ट में नंबर एक उत्पादक है. Iran में बीते साल 2023 में 2023 में 2.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल का हर दिन प्रोडक्शन हुआ था. तेल भंडार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने उत्पादन का लगभग आधा कच्चा तेल ईरान दूसरे देशों को बेचता है और सबसे बड़ा खरीदार चीन (China) है. ईरान में तेल की 10 बड़ी रिफाइनरी हैं, जिनमें से सिर्फ तीन से प्रति दिन 3,70,000 बैरल तेल का उत्पादन होता है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.ईरान वित्त वर्ष 2014-15 से भारतीय बासमती चावल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश रहा है और वित्त वर्ष 2022-23 में 998,879 मीट्रिक टन भारतीय चावल खरीदा था. बासमती चावल के अलावा भारत ईरान को चाय, कॉफी और चीनी का भी निर्यात करता है.आंकड़े देखें तो

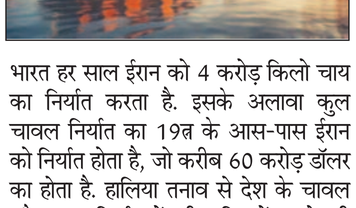

भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है. हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.आंकड़े देखें तो भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है.

हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.

टाटा के इस शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी, शेयर बेचने की होड़

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5त्न तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है।क्या है डिटेलएचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर ?770 के टारगेट प्राइस के साथ 'होल्ड' करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5त्न की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1त्न की तेजी के लिए,

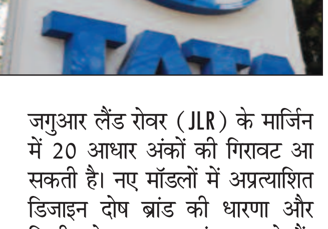

जगुआर लैंड रोवर (JLR) के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्वरुक्र के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

एनालिस्ट की राय

टाटा मोटर्स पर कवरेज करने वाले 35 विश्लेषकों में से 18 ने खरीदें रेटिंग दी है, 11 ने ÷होल्ड÷ कहा है, जबकि छह ने बेचें की सिफारिश की है। टाटा मोटर्स के शेयर वर्तमान में 1त्न कम होकर ?728.65 पर कारोबार कर रहे हैं। स्टॉक एक महीने और साल-दर-साल की अवधि में स्थिर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली। आज गिरावट भरे शेयर मार्केट में ONGC और Oil India के शेयरों में 4त्न तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ONGC का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम?

हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,÷तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ONGC और Oil India के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।÷

कंपनियों के लिए क्यों अच्छी खबर है?पिछले कुछ समय से कच्चे तेल के दाम गिर रहे थे, जिससे ONGC और ह्रद्ब ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड की कमाई पर चिंता बनी हुई थी। मार्च 2025 तक के तिमाही नतीजों में विंडफॉल टैक्स लगने से पहले ONGC की प्रति बैरल कमाई में 9त्न की गिरावट आई थी। ऐसे में तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया है।

पिछले महीने क्या हाल रहा?

पिछले तीन महीनों (मई 23 तक) में ह्रहृत्रष्ट का शेयर प्राइस सपाट चल रहा था और यह निफ्टी से पिछड़ रहा था (जो 8त्न चढ़ा था)। एलारा सिक्योरिटीज़ के मुताबिक, तेल की गिरती कीमतों ने अगले तीन साल में तेल-गैस उत्पादन बढ़ने की संभावना को कमजोर कर दिया था।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ONGC और Oil India की कमाई तभी मजबूत होगी, जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर टिकी रहेंगी।

(डिस्क्लेमर- एक्सपर्ट्स की सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं। यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।)

मोहम्मद शमी के लिए इंग्लैंड से आई बुरी खबर, लगा इतना बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारतीय स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. इस बार उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं चुना गया है. इसी बीच उनके लिए एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमों के बीच खेला जा रहा है. ये मुकाबला लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर हो रहा है. इस मुकाबले के बीच मोहम्मद शमी का एक बड़ा रिकॉर्ड टूट गया है.

टूट गया मोहम्मद शमी का बड़ा रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल के पहले दिन एक नया इतिहास रच दिया है. उन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. यह उपलब्धि उन्होंने लॉर्ड्स मैदान पर हासिल की. स्टार्क ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो अब तक फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे.

मिचेल स्टार्क इस मैच में अभी तक 2 विकेट चटका चुके हैं और अब पांच आईसीसी फाइनल में उनके नाम 11 विकेट हो गए हैं, जो उन्हें इस लिस्ट में सबसे आगे ला खड़ा करता है. इससे पहले मोहम्मद शमी चार फाइनल में 10 विकेट लेकर इस लिस्ट में टॉप पर थे. स्टार्क की यह उपलब्धि उनके बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती है. फाइनल के पहले दिन उन्होंने साउथ अफ्रीका की पहली पारी में शुरुआती झटके देकर अपनी छाप छोड़ी, जिसमें उन्होंने एडेन मार्कराम को बिना खाता खोले आउट किया और रयान रिकेलटन को 16 रन पर पवेलियन भेजा. इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने दिन का अंत 2/10 के आंकड़ों के साथ किया.

राशिद खान ने अचानक क्रिकेट से बनाई दूरी, IPL 2025 में फ्लॉप रहने के बाद लिया चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 की शुरुआत 13 जून से होने जा रही है. लेकिन इससे पहले एमआई न्यूयॉर्क की टीम को बड़ा झटका लगा है. अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी लेग स्पिनर राशिद खान ने बड़ा फैसला लिया है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. हाल ही में राशिद खान का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, आईपीएल 2025 में भी वह पूरी तरह फ्लॉप रहे थे. जिसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने बड़ा कदम उठाया है.

राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी.राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी. राशिद खान ने कब तक के लिए क्रिकेट से दूरी बनाई है, फिलहाल इस पर कोई अपडेट सामने नहीं आया है. लेकिन राशिद का ब्रेक लेने का फैसला उनके लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए समझदारी भरा कदम माना जा सकता है. इसके पीछे की वजह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी हो सकता है.

अभी और खिलाड़ी लेंगे संन्यास... दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, क्रिकेट जगत में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों में कई स्टार खिलाड़ी संन्यास का ऐलान कर चुके हैं. इसमें सबसे नया नाम वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन का है. निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़कर सभी को चौंका दिया था. ऐसे में अब वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मौजूदा हेड कोच डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के इंटरनेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने को लेकर गहरी चिंता जताई है. सैमी का मानना है कि यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के सामने एक बड़ी चुनौती को उजागर करती है.

डैरेन सैमी का चौंकाने वाला दावा

पूरन वेस्टइंडीज के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, उन्होंने कभी भी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला और उनकी आखिरी वनडे पारी दो साल पहले खेली गई थी. उनका ये फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप महज आठ महीने बाद खेला जाना है. उनके इस फैसले के पीछे की से बड़ी वजह फ्रेंचाइजी क्रिकेट को माना जा रहा है. वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट से सबसे ज्यादा कमाई कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं. ऐसे में डैरेन सैमी का मानना है कि आने वाले समय में और खिलाड़ी इसी राह

पर चल सकते हैं और कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ सकते हैं.

सैमी ने इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज की छठी लगातार हार के बाद पूरन के संन्यास पर कहा, 'मेरी अंतरात्मा की आवाज कह रही थी कि ऐसा कुछ होगा. आदर्श रूप से ऐसी प्रतिभा को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा. लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता. मैंने उसे शुभकामनाएं दी, उसने टीम को शुभकामनाएं दीं. अब निकोलस पूरन के बिना रणनीति पर आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है. वर्ल्ड कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उसने हमें काफी पहले बताया ताकि हमारे पास उसके बिना योजना बनाने के लिए ज्यादा समय हो.'

और भी खिलाड़ी लेंगे संन्यास...

सैमी ने यह भी अनुमान लगाया कि टी20 क्रिकेट के बढ़ते चलन और फ्रेंचाइजी लीग के आकर्षण के कारण और भी खिलाड़ी जल्दी संन्यास ले सकते हैं. उन्होंने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और क्विंटन डी कॉक जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने कम उम्र में ये फैसला लिया है.

सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि और भी खिलाड़ी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे. आपने देखा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डिकॉक, इन खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहा है जो संन्यास ले चुके हैं. यह हमारे नियंत्रण से बाहर है.'

99 साल पुराना महारिकॉर्ड स्वाहा... स्टीव स्मिथ निकले सबसे आगे, डॉन ब्रैडमैन भी रह गए पीछे

नई दिल्ली. लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का एक छोर से जहां विकेट गिर रहे थे, वहीं दूसरे छोर पर स्टीव स्मिथ खूंटा गाड़े खड़े थे. दाएं हाथ के बल्लेबाज स्मिथ ने दूसरे सेशन में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने पारी के 33वें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की गेंद पर चौका जड़कर टेस्ट करियर का 42वां अर्धशतक पूरा किया. इस स्टार बल्लेबाजा ने 51वां रन पूरा करते ही इस ग्राउंड पर 99 साल पुराना महारिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास बना दिया. स्मिथ की रिकॉर्ड पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 200 का आंकड़ा पार किया. ऑस्ट्रेलिया को सातवें ओवर में दो बड़े झटके लग गए थे. लेकिन दूसरे छोर पर स्मिथ डटे रहे.

स्टीव स्मिथ ने 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाए. स्मिथ लॉर्ड्स में टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने अपने ही देश के पूर्व खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले के महारिकॉर्ड को तोड़ा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले ने साल 1909 से 1926 के बीच लॉर्ड्स में 5 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से 575 रन बनाए थे. लेकिन अब वॉरेन के सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड को स्मिथ ने तोड़ दिया है. अब स्मिथ के लॉर्ड्स में 591 रन हो गए हैं. उन्होंने इस वेन्यू पर 2 शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं.

सोबर्स-ब्रैडमैन के रिकॉर्ड भी तोड़े

स्मिथ ने इस दौरान सर डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी गैरी सोबर्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. ब्रैडमैन के नाम लॉर्ड्स में 4 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में 551 रन हैं. वहीं, गैरी सोबर्स ने 5 टेस्ट की 9 पारियों में 571 रन बनाया था.लॉर्ड्स में टेस्ट में 600 रन बनाने वाले स्मिथ दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन सकते हैं.

इस मामले में बॉर्डर-रिचर्ड्स को पछाड़ा

इंग्लैंड की सरजमीं पर टेस्ट में सर्वाधिक 50 प्लस स्कोर के मामले में स्टीव स्मिथ सबसे आगे निकल गए हैं. उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलन बॉर्डर और विव रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा. स्मिथ के नाम इंग्लैंड में 23 टेस्ट में 18 फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए हैं जो सर्वाधिक हैं.इससे पहले बॉर्डर ने 25 टेस्ट में 17 बार और रिचर्ड्स ने 24 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी.

अभिषेक शर्मा के बाद तिलक वर्मा... टी20 रैंकिंग टीम इंडिया का जलवा, टॉप 6 में भारत के 3 बल्लेबाज

नई दिल्ली. तिलक वर्मा आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं.वहीं विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर कायम हैं. भारत के मिस्टर 360 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव छठे स्थान पर खिसक गए हैं. गेंदबाजों की रैंकिंग में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं. तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद हमवतन अभिषेक शर्मा से पीछे हैं.ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं. भारत के सूर्यकुमार यादव एक स्थान के नुकसान से छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं. गेंदबाजी रैंकिंग में चक्रवर्ती (706) और बिश्नोई (674) के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) भी शीर्ष 10 में शामिल भारतीय गेंदबाज हैं. हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर हैं. इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं. उन्होंने वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 3-0 की जीत के दौरान चार विकेट चटकाए. राशिद के 710 अंक हैं और वह शीर्ष पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी (723) से सिर्फ 13 अंक पीछे हैं.

बेन डकेट को 48 स्थान का हुआ फायदा

राशिद के टीम के साथी ब्राइडन

कार्स दो मैच में दो विकेट की बदौलत 16 स्थान की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर पहुंच गए. अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 46 गेंद में 84 रन की तूफानी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर हैं. सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन की पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक छठ स्थान के फायदे से संयुक्त 38वें स्थान पर हैं.

शाई होप ने लगाई 14 स्थान की छलांग

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो बार 40 रन से अधिक की पारियां खेलने के बाद 14 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर हैं. अंतिम मैच में 45 गेंद में नाबार 79 रन की पारी खेलने वाले रोवमैन पावेल शीर्ष 20 बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं.

कोई नहीं है टक्कर में... मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ स्टार्क बने नंबर वन, आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है. स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस दौरान भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा. शमी इस समय टीम इंडिया से बाहर हैं. उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है.स्टार्क ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच के पहले दिन हासिल की. ये मुकाबला लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए.उन्होंने पहले ओवर में ही साउथ अफ्रीकी ओपनर एडेन मार्करम को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को धमाकेदार शुरुआत दिलाई.आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सर्वाधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के

नाम था लेकिन अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है. शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे लेकिन स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में उन्हें पीछे छोड़ दिया. स्टार्क के 11 विकेट हो गए हैं.

स्टार्क के आईसीसी फाइनल में 11 विकेट हो चुके हैं

स्टार्क ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे. और भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चौका लगाया थ. उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी फाइनल में दो विकेट लेने से पहले भारत के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे. इस लिस्ट में स्टार्क और शमी के बाद तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं जो 5 पारियों में 8 विकेट ले चुके हैं और भारत के रवींद्र जडेजा भी आठ विकेट अपने नाम कर चुके हैं.

स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी में विकेटों की संख्या 74 तक पहुंचायाई

मिचेल स्टार्क (Mitchell Starc) ने डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में अपने विकेटों की संख्या को 74 तक पहुंचा दिया है.वह पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं.

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम (383) को भी पीछे छोड़ दिया. इस प्रारूप में अपने विकेटों की संख्या को 384 तक पहुंचा दिया है.

स्टार्क ने मारर्कम और रिकेल्टन को भेजा पवेलियन

मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारर्कम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई. कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

51 रन देकर 5 विकेट... ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूट पड़े रबाडा, जसप्रीत बुमराह की कर ली बराबरी

कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन 5 विकेट अपने नाम किए. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की. इस दौरान रबाडा ने भारत के जसप्रीत बुमराह के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जबकि हमवतन दिग्गज पेसर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए. रबाडा डब्ल्यूटीसी फाइनल में 5 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बने.

नई दिल्ली. वर्तमान में दुनिया के खूंखार तेज गेंदबाजों में शुमार साउथ अफ्रीका के कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गजब की गेंदबाजी की. उन्होंने अकेले ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम पवेलियन में भेज दिया.दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रबाडा लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर एक से ज्यादा बार 5 विकेट हॉल अपने नाम करने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे गेंदबाज बने. साथ ही उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली.रबाडा डब्ल्यूटीसी के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से बुमराह संग पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं. दूसरी पारी में एक विकेट लेते ही वह बुमराह को पीछे छोड़ देंगे.

30 वर्षीय दाएं हाथ के गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 15.4 ओवर की गेंदबाजी में 5 ओवर मेडन डालते हुए 51 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए. डब्ल्यूटीसी के फाइनल में एक पारी में 5 विकेट लेने वाले वह दुनिया के दूसरे गेंदबाज हैं. डब्ल्यूटीसी में अब रबाडा और बुमराह के एक समान 156 विकेट हो गए हैं. इस लिस्ट में 210 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन पहले नंबर पर हैं जबकि पैट कमिंस 200 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं. भारत के आर अश्विन के नाम डब्ल्यूटीसी में 191 विकेट दर्ज हैं.

रबाडा चौथे नंबर पर पहुंचे

कैगिसो रबाडा टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस लिस्ट में डेल स्टेन 439 विकेट के साथ नंबर वन पर हैं. दूसरे नंबर पर शॉन पोलक हैं जिन्होंने 421 टेस्ट विकेट लिए हैं वहीं मखाया एंटिनी 390 विकेट के साथ तीसरे जबकि रबाडा 331 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं.पोलक 330 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं. डब्ल्यूटीसी फाइनल में रबाडा से पहले न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन ने 5 विकेट लिया था.उन्होंने भारत के खिलाफ 31 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे. जैमीसन के क्लब में अब रबाडा भी पहुंच गए हैं.

दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है

रबाडा (51/5) और मार्को यानसेन (49/3) की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की भी पहले दिन शुरुआत खराब रही.उसने 43 रन तक 4 विकेट गंवा दिए. मिचेल स्टार्क (10/2) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारक्रम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई.

कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

कॉफी के लिए राजी होकर मोबाइल कर लेती थी बंद, पहली डेट के लिए 3 साल तक कराया इंतजार

धर्म बदलकर एक्ट्रेस ने क्रिकेटर से की थी शादी

नई दिल्ली. लव के लिए कुछ भी करेगा. क्रिकेट खिलाड़ियों से शादी के लिए बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपने धर्म और नाम को बदल लिया था. इन्हीं में शामिल हैं ब्रिटिश मॉडल और एक्ट्रेस हेजल कीच.जिन्होंने दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह से शादी के लिए अपना धर्म बदल लिया था. उन्हें एक नया नाम भी मिला था. उस नए नाम के तहत हेजल ने युवी से सिख रिति रिवाज से शादी की थी. युवी और हेजल की शादी 30 नवंबर 2016 को हुई थी. हेजल शादी से पहले हाफ ब्रिटिश और हाफ इंडियन थीं, जिन्होंने बाद में सिख धर्म को अपनाया.उनका बदलकर गुरबसंत कौर रखा गया. दोनों की लव स्टोरी बेहद फिल्मी है. हेजल ने युवराज को पहली डेट के लिए लगभग 3 साल तक तरसाया.

युवराज सिंह और हेजल कीच की लव स्टोरी भी काफी रोचक है. एक ऐसा दौर था जब हेजल के लिए युवराज काफी क्रेजी थे. युवराज इस हसीना से दोस्ती करना चाहते थे. लेकिन तब हेजल के नखरें ज्यादा थे. वो युवराज को लाइक नहीं करती थी.युवराज ने कुछ साल पहले हेजल कीच के साथ पहली मुलाकात के बारे में एक इंटरव्यू में बताया था. उन्होंने ये भी बताया था कि हेजल के साथ पहली डेट के लिए कैसे उन्हें 3 साल तक लंबा इंतजार करना पड़ा. युवराज के मुताबिक जब वो हेजल से कॉफी के लिए कहते थे तो वो हां में जवाब देती थी लेकिन उसके बाद वो अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लेती थीं. ताकि नहीं आना पड़े. युवराज के साथ ऐसा तकरीबन 7 से 8 बार हुआ था.

कॉमन फ्रेंड के जरिए युवराज की मुलाकात हेजल से हुई थी

युवराज सिंह ने तब बताया था कि हेजल से उनकी पहली मुलाकात कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी. इसके बाद दोनों लगातार मिलने लगे. कुछ समय बाद युवराज ने मौका देखकर हेजल को प्रपोज किया और इस हसीना ने भी युवराज को

मना नहीं किया. युवी ने ये भी बताया था कि हेजल को क्रिकेट में कोई दिलचस्पी नहीं है. तब हेजल को ये भी नहीं पता था कि युवराज किस टीम से खेलते हैं. जब शादी की बात आई तब युवराज सिंह की मां शबनम सिंह को हेजल पसंद नहीं थीं. शबनम सिंह एक्ट्रेस हेजल के बोल्ड लुक से चिंतित थीं. हालांकि बाद में हेजल ने युवराज की मां का दिल जीत लिया.

हेजल की मुस्कान पर फिदा थे युवराज सिंह

हेजल की मुस्कान पर युवराज सिंह फिदा थे. युवराज ने ये भी बताया था कि बॉलीवुड फिल्म 'बॉडीगार्ड' में उन्हें हेजल कीच का काम बहुत पसंद आया था. वहीं, कपिल शर्मा शो में हेजल कीच ने बताया कि पार्टी में मिलने के बाद युवराज ने उनसे कॉफी पर चलने के लिए कहा था. हेजल ने ये भी खुलासा किया था क्यों वो मोबाइल को स्विच ऑफ कर लेती थीं. हेजल का कहना था कि वो युवराज को कोई गलत मैसेज नहीं देना चाहती थी और इनकार कर उनके इगो को हर्ट नहीं करना चाहती थी. इसलिए वह अपना फोन बंद कर देती थीं.

संत बाबा राम सिंह ने हेजल को दिया था गुरबसंत कौर नाम

हेजल कीच को गुरबसंत कौर नाम संत बाबा राम सिंह जी ने दिया था. युवी की मां शबनम सिंह संत और डेरा के फॉलोअर हैं. सिख रिति रिवाज से शादी के बाद दोनों ने एक सप्ताह बाद फिर से हिंदू रिति रिवाज से शादी की. युवराज सिंह ने जब हिंदू रिति रिवाज से शादी की उस समय वह बुलेट पर सवार होकर आए थे. 25 जनवरी 2022 को युवराज सिंह और हेजल कीच बेटे के माता-पिता बने. युवराज और हेजल ने अपने बेटे को ओरियन नाम दिया है. साल 2023 में युवी के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ. हेजल ने बिटिया को जन्म दिया जिसका नाम ऑरा है.

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें। जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

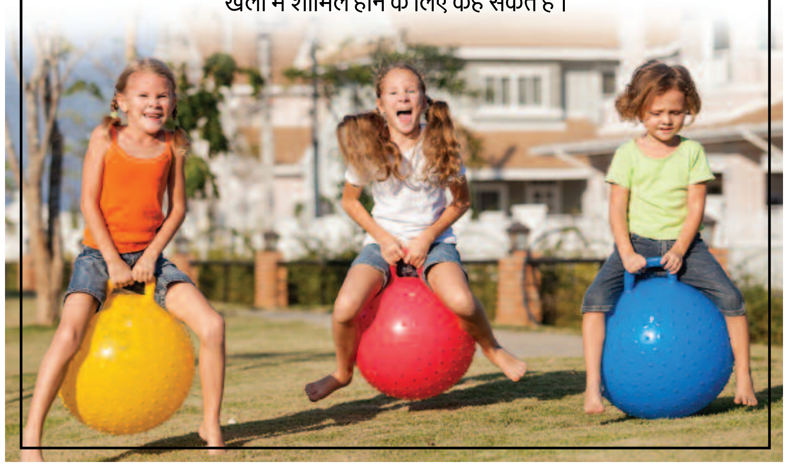

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

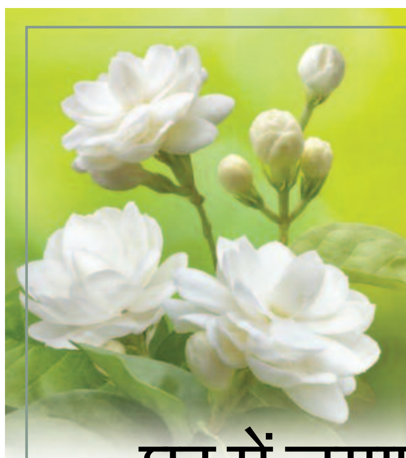

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्ड बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निंश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

'दृश्यम' फेम एक्ट्रेस के घर आई नन्हीं परी, दोबारा माता-पिता बन गए

इशिता दत्ता

वत्सल सेठ

दृश्यम एक्ट्रेस इशिता दत्ता फिर से मां बन गई हैं. दरअसल कुछ महीने पहले इशिता और वत्सल सेठ ने सोशल मीडिया पर ये ऐलान किया था कि जल्द ही वो दोबारा माता-पिता बनने वाले हैं. अब फिर एक बार उन्होंने सोशल मीडिया पर ये खुशखबरी सुनाई है कि उनके घर एक प्यारी सी बेटी ने जन्म लिया है. इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है. कपल के एक्टर्स दोस्तों के साथ उनके फैंस भी उन्हें सोशल मीडिया पर खूब शुभकामनाएं दे रहे हैं.इशिता दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अस्पताल से एक दिल छू लेने वाली तस्वीर साझा की है, इस फोटो में वो और वत्सल अपनी बेटी और बड़े बेटे वायु के साथ नजर आ रहे हैं. हालांकि, उन्होंने अभी तक अपनी बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है, तस्वीर में उनका परिवार पूरा और खुश दिख रहा है. इस तस्वीर के साथ इशिता ने एक प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है,दो से चार दिलों की धड़कन एक साथ. हमारा परिवार अब पूरा हो गया है. हमें भगवान ने एक प्यारी सी बेटी आशीर्वाद में दी है.

वेलेंटाइन डे पर दिया था प्रेग्नेंसी का हिंट

इशिता ने पिछले वेलेंटाइन डे पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का हिंट दिया था. तब उन्होंने लिखा था, तुम्हें जानने के 9 साल बाद, तुम्हें प्यार करने के 8 साल बाद, हमारा प्यार एक नई जिंदगी को इस दुनिया में लेकर आया और जल्द ही, हमारा ये प्यार और बढ़ेगा.इशिता और वत्सल ने 2 साल पहले यानी जुलाई 2023 में अपने पहले बच्चे, बेटे वायु का स्वागत किया था. अब, वायु को एक छोटी बहन मिल गई है, जिससे उनका परिवार अब 'कंप्लीट' हो गया है.

टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ पहले हुई बातचीत में, इशिता ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बारे में बात करते हुए कहा था कि वे इस बार ज्यादा तैयार हैं और उन्हें खुशी होगी अगर उनके बेटे वायु को एक छोटी बहन मिले. उन्होंने ये भी बताया था कि उनके माता-पिता उनके साथ रहने आ गए हैं, जिससे उन्हें काफी सपोर्ट मिल रहा है.

सीरियल के सेट पर हुआ था प्यार

इशिता दत्ता को 'दृश्यम' और 'दृश्यम 2' में अजय देवगन की बेटी के किरदार के लिए जाना जाता है उन्होंने कई टीवी शोज और फिल्मों में काम किया है. वहीं, इशिता के पति एक्टर वत्सल शेठ की बात करें तो वत्सल ने 'टार्जन-द वंडर कार' जैसी फिल्मों और 'जस्ट मोहब्बत' जैसे टीवी शोज से अपनी पहचान बनाई है. ये कपल 'रिश्तों का सौदागर ङ्क बाजीगर' (2016) के सेट पर पहली बार एक दूसरे से मिला था और 2017 में एक निजी समारोह में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे.

कोयले की खदान में सो जाते थे शाहरुख खान, सलमान को लेकर भी एक्ट्रेस ने किया बड़ा खुलासा

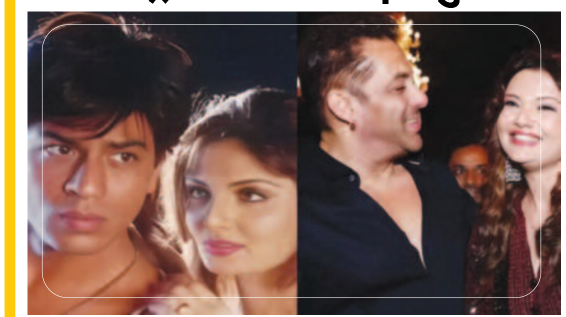

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें बड़ी एक्ट्रेस का दर्जा नहीं मिल पाया. वो अपने समय की अदाकाराओं की तरह ज्यादा लोकप्रियता हासिल नहीं कर पाई. फिलहाल वो अपने एक इंटरव्यू को लेकर सुर्खियों में हैं. इसमें उन्होंने पुराने दिनों को याद किया और बॉलीवुड के दो बड़े स्टार शाहरुख खान और सलमान खान पर भी बड़ा खुलासा कर दिया.दीपशिखा ने फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल्स में भी काम किया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में सलमान खान और शाहरुख खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया और दोनों अभिनेताओं की तारीफ भी की. उन्होंने बताया कि कोयला फिल्म की शूटिंग के दौरान शाहरुख कोयला खदान में ही सो जाते थे. सलमान को एक्ट्रेस ने विनम्र इंसान बताया.

कोयला खदान में क्यों सोते थे शाहरुख ?

दीपशिखा साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'कोयला' में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी हैं. हालांकि वो इसमें साइड रोल में थीं. इसमें शाहरुख के अपोजिट माधुरी दीक्षित ने लीड रोल प्ले किया था. दीपशिखा से इंटरव्यू में सवाल किया गया था कि 90 के दशक के और अब के सितारों में क्या अंतर है ? तो उन्होंने कहा, एक्टिंग पहले पेशा नहीं था. पहले ये एक रिस्पेक्टेड काम नहीं था. अब हर कोई एक्टर बनना चाहता है और वो अपनी वैनिटी, अपने स्टाफ की डिमांड करते हैं.

एक्ट्रेस ने आगे बताया, मैंने शाहरुख खान को कोयला में काम करते हुए देखा है. तब कोई वैनिटी वैन नहीं होती थी. वो कोयला खदान में ही लाइट्स और मशीनरी के बीच तकिया लगाकर सो जाते थे. हम छतरी के नीचे बैठे हुए रहते थे. हमारे लिए कोई वैनिटी नहीं होती थी.

सलमान पर क्या बोलीं दीपशिखा ?

कोयला के अलावा दीपशिखा ने 'बादशाह' और 'पार्टनर' सहित कई फिल्मों में काम किया. जबकि वो 'रामायण', 'शक्तिमान' और 'किटी पार्टी' जैसे शोज का भी हिस्सा रहीं. आगे उन्होंने सलमान खान को लेकर कहा, मैंने देखा है जब मैं सलमान खान के साथ काम करती थी तो कोई वैनिटी नहीं होती थी. सलमान सेट से अपने मेकअप रूम तक चलके जाते थे.

अजय देवगन-ऐश्वर्या राय ने 4 फिल्मों में साथ किया काम, पर 20 साल पहले आई इस मूवी जैसा हाल किसी का नहीं हुआ

ऐश्वर्या राय और अजय देवगन दोनों ही बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार्स में शामिल हैं. दोनों ने अपने काम के दम पर फैंस के बीच खास और अलग पहचान बनाई है. ये जोड़ी कई फिल्मों में साथ भी नजर आई है. पहली बार दोनों को साथ में फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में देखा गया था. 1999 की इस सुपरहिट पिक्चर में सलमान खान भी लीड रोल में नजर आए थे.इस फिल्म के बाद ऐश्वर्या राय और अजय देवगन ने और भी फिल्में की थीं. रेनकोट नाम की फिल्म जो कि साल 2004 में रिलीज हुई थी, इसमें भी अजय और ऐश्वर्या ने स्क्रीन शेयर की थी. हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इस पिक्चर का बहुत बुरा हाल हुआ था. अजय और ऐश्वर्या जैसे दिग्गज स्टार्स के होने के बावजूद रेनकोट अपना बजट तक नहीं वसूल पाई.

20 साल पहले अजय-ऐश्वर्या ने किया था रोमांस

अजय ने रेनकोट में मनोज जबकि ऐश्वर्या ने नीरजा नाम का किरदार निभाया था. अहले अजय और ऐश्वर्या को एक दूसरे से प्यार होता है, लेकिन बाद में ऐश्वर्या की शादी किसी और से हो जाती है. रितुपर्णो घोष के डायरेक्शन में बनी रेनकोट ने 24 दिसंबर 2004 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. इसमें अनु कपूर और सुरेखा सीकरी जैसे मशहूर कलाकारों ने भी काम किया था.

जानें बजट और कमाई

रेनकोट से जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद लगाई जा रही थी फिल्म वैसा जादू टिकट खिड़की पर दिखाने में बेअसर रही. रेनकोट को मेकर्स ने पांच करोड़ रुपये के बजट में बनाया था, जबकि ये पिक्चर वर्ल्डवाइड कमाई के बाद भी सिर्फ 4.8 करोड़ रुपये ही बटोर पाई थी. इस लिहाज से बॉक्स ऑफिस पर रेनकोट सुपर फ्लॉप साबित हुई.

इन फिल्मों में भी साथ दिखें अजय-ऐश्वर्या

'हम दिल दे चुके सनम' और 'रेनकोट' के अलावा दोनों कलाकारों ने साल 2004 में आई 'खाकी' में भी काम किया था. वहीं 2002 की फिल्म 'हम किसी से कम नहीं' में भी अजय और ऐश्वर्या ने स्क्रीन शेयर की थी. इसके अलावा अजय और ऐश्वर्या एक और फिल्म में साथ नजर आ सकते थे. दरअसल दिवंगत एक्टर-डायरेक्टर फिरोज खान ने दोनों को लेकर 'कुर्बान तुझपे मेरी जान' नाम की फिल्म का ऐलान किया था, हालांकि ये पिक्चर बन ही नहीं पाई.

विदेश में शिल्पा शेट्टी

क्यों चिल्लाई? वायरल वीडियो पर पति राज कुंद्रा ने तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शेट्टी इस वक्त अपने एक वायरल वीडियो को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं. दरअसल एक्ट्रेस अपना 50वां जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए अपने पति राज कुंद्रा, दोनों बच्चे, सास-ससुर, मां और बहन शमिता शेट्टी के साथ क्रोएशिया पहुंची. परिवार के अलावा शिल्पा के कुछ खास दोस्त भी उनके साथ जश्न मनाने पहुंचे. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर एक यूजर ने दावा किया है कि शिल्पा और उनके परिवार ने एक विदेशी महिला के साथ बहस की है. अब इस पर राज कुंद्रा का रिएक्शन सामने आया है.राज कुंद्रा ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि मैं ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो के बारे में सिच्यूएशन क्लियर करना चाहता हूं. मैंने अपनी पत्नी का जन्मदिन मनाने के लिए एक साल पहले ही इस रेस्टोरेंट को बुक कर लिया था. दुर्भाग्य से वहां पहुंचने पर हमें बताया गया कि हमारी टेबल दूसरे ग्रुप को दे दी गई है, क्योंकि उन्होंने दावा किया कि एक ही एजेंट की ओर से डबल बुकिंग की गलती हुई है.

खुशी का मौका तमाशे में बदला

राज ने आगे कहा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने रेस्टोरेंट भी चलाए हैं, मुझे सिच्यूएशन से निपटना बहुत निराशाजनक लगा, खासकर तब जब मेरे बुजुर्ग माता-पिता, सास और 20 मेहमान इंतजार कर रहे थे. जो शाम खास होनी चाहिए थी वह बेवजह तनावपूर्ण हो गई और जब हमने अपनी परेशानी बताई तो हमें अचानक चुप रहने के लिए कहा गया, जिससे हमारी निराशा और बढ़ गई. बिजनेसमैन ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा कि वो पिछले एक साल से इस छुट्टी की प्लानिंग कर रहे थे. लेकिन खुशी का मौका तमाशे में बदलता देख उन्हें काफी दुख हुआ.

एक साल से प्लानिंग कर रहे थे राज

अपनी बात को पूरा करते हुए राज कुंद्रा ने अंत में कहा कि एक साल से ज्यादा समय से प्लानिंग करने के बाद भी रेस्टोरेंट के मिस-मैनेजमेंट के चलते उनकी शाम खराब हो गई और सारी प्लानिंग पर भी पानी फिर गया. शिल्पा के पति का मानना है.